

प्रधानमंत्री कार्यालय

03 फरवरी, 2019 को श्रीनगर में छात्रों के साथ प्रधानमंत्री के संवाद का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 03 FEB 2019 9:00PM by PIB Delhi

प्रश्न - Dear honorable Prime Minister I am K. Deepika pursuing B.A. Journalism Final year from government degree college for women Begumpet Hyderabad, Telangana. Sir we have seen many initiatives for education in the last five years. Are you satisfied with your efforts in the education sector? Thank you for giving me this opportunity.

एंकर - हमने पिछले पांच सालों में शिक्षा के क्षेत्र में कई नए initiatives देखे हैं क्या आप education sector में आपके प्रयासों से संतुष्ट हैं। माननीय कृपया बताएं।

प्रधानमंत्री : मैं आपका आभारी हूँ इस सवाल के लिए और देश भर में करीब ढाई करोड़ युवकों के साथ मुझे बातचीत करने का मौका मिला है। Thanks to technology. एक ही चीज को दो तरीके से देखा जा सकता है। जहाँ तक प्रयास का सवाल है मुझे इस बात का संतोष है कि हम सही दिशा में हैं। हम निश्चित टाइम टेबल के साथ आगे बढ़ रहे हैं और दुनिया में शिक्षा की जो मानदंड बने हैं। उस ग्लोबल standard को हम achieve करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे देश के उन सब नौजवानों को ये अवसर मिलना चाहिए अगर वो जिंदगी में शिक्षा के जिस क्षेत्र में जाना चाहता है। सरकार का एक काम है कि उन व्यवस्थाओं को विकसित करे। आधुनिक भारत के लिए जिस प्रकार के institutions की रचना होनी चाहिए। उसको हम बल दे रहे हैं। IIT हो IIM हो उसके विस्तार के लिए बहुत तेजी से काम चल रहा है। उसी प्रकार से skill development एक बहुत बड़ा क्षेत्र है जिस पर हम बल दे रहे हैं। हमारी ये कोशिश है कि हमारे देश के नौजवान आज बहुत बड़ी मात्रा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश जाते हैं। अरबों, खरबों रुपया हमारा विदेश चला जाता है। हम ऐसी शिक्षा व्यवस्थाओं का निर्माण करें। जिससे हमारे देश के लोग बाहर जाएं उसके बजाए दुनिया के देश के लोग भारत में आए। इस सपने को लेकर मैं काम कर रहा हूँ। जहाँ तक दिशा का सवाल है मैं बहुत ही संतुष्ट हूँ। साढ़े चार साल के कम कार्यकाल में जितना काम हुआ है। मैं क्या, कोई भी संतुष्ट होगा लेकिन मैं संतोष अपनी पीठ थपथपाने के लिए कभी करता नहीं हूँ। मेरा संतोष का मतलब है नए सपनों को जन्म देना, मेरे संतोष का मतलब होता है नए लक्ष्य तय करना, मेरे संतोष का मतलब होता है उन लक्ष्यों को पार करने के लिए फिर एक चल पड़ना। और संतोष सोने के लिए नहीं है, संतोष नए सपनों को साकार करने के लिए है। धन्यवाद.....

एंकर – धन्यवाद माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय अब हम देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र असम से जुड़ रहे हैं जहाँ Cotton University के अनामित्रा महंता आपसे कुछ पूछना चाहते हैं....

प्रश्न - Dear honorable Prime Minister I am Anamitra Mahanta from Assam. Sir, we are seeing many uses of this digital India in a day to day live including education. How do you see its impact on our country and our people? That concludes my question thank you.

एंकर - सर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में हम digital India के कई उपयोगों को देख रहे हैं। जिसमें शिक्षा भी शामिल है। आज हमारे देश और यहां के लोगों में इसकी वजह से क्या बदलाव आप देख रहे हैं। माननीय कृपया बताएं।

प्रधानमंत्री – देखिए मानव निरंतर विकास करता रहा है। technology एक बहुत बड़ा driving force रहा है। नए-नए Innovations ने मानव जीवन को लगातार बदला है। लेकिन आज 40 साल पहले जिस रफ्तार से दुनिया बदली। Innovations technology intervention ने दुनिया को पिछले 200-300 साल में बदलते बदलते जहां लाकर के खड़ा कर दिया था। पिछले 40-50 साल में technology ने एक ऐसा जंप लगाया है। जिसकी हम कल्पना नहीं कर सकते हैं। अगर पिछले 200-300 साल की तुलना में देखे तो इन 40-50 साल एक quantum jump है। नए dimensions है। और वो स्पेस हो, समुद्री तल की बात हो। धरातल की बात हो और डिजिटल वर्ल्ड ने इसमें बहुत बड़ा रोल प्ले किया है। अब आज मैं आपसे इतना आराम से बात कर पा रहा हूं। मैं श्रीनगर में बैठा हूं और श्रीनगर से मैं हिन्दुस्तान के हर कोनों में ढाई करोड़ नौजवानों से शिक्षा के संबंध में बात कर रहा हूं। यही सबसे बड़ा प्रभाव है। अभी आपने देखा बांदीपुरा में एक बीपीओ का उद्घाटन हुआ और पहला बीपीओ अब ये digital revolution का परिणाम है। Digital revolution का सबसे बड़ा फायदा, अब आप देखिए हमारा आधार एक प्रकार से digital revolution का ही हिस्सा है। दुनिया को जब मैं कहता हूं कि हमारे पास 120 करोड़ लोगों का इतना डिटेल हमारे पास डेटा है। जगत के लोगों को बड़ा आश्चर्य होता है। ऐसी wealth है हमारे पास, ये digital revolution का परिणाम है। हम JAM Trinity शुरू की है भारत सरकार ने JAM Trinity के द्वारा आधार, मोबाइल, जनधन कोई भी सामान्य व्यक्ति सरकार को कुछ सामान भेजना चाहता है, गांव गरीब होगा तो ऑनलाइन आएगा, भेज सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में आज इतनी ऐप भांति-भांति available है और कई तो बहुत बिना खर्च किए हैं। उसके कारण विद्यार्थी नई-नई शिक्षा प्राप्त करने के लिए ऐप के माध्यम से कुछ होम वर्क करता है। शायद हो सकता है एक जमाना ऐसा आएगा कि जो ट्यूशन और कोचिंग कलासिस की दुनिया ही खत्म हो सकती है। इतनी ताकत ये डिजिटल इंडिया में है। digital world ने governance में बहुत बड़ा रोल किया है। Transparency के लिए बहुत बड़ी ताकत digital world है! अरे एक प्रकार से शिक्षा नहीं, समग्र जीवन व्यवस्था में एक प्रकार से digital world हमारे शरीर का एक नया हिस्सा बना गया है। हम उसके बिना जी नहीं सकते ऐसी स्थिति बन गई है। और इसलिए इसका प्रभाव हम उसका सही उपयोग कैसे करें, अधिकतम लोगों के कल्याण के लिए कैसे उपयोग करें। इस पर अगर हम बल देंगे। तो एक ये digital power एक बहुत बड़ा revolution हमारे सामने है। दूसरा long distance education. हम गरीब से गरीब व्यक्ति तक दूर से दूर पहाड़ों में जंगलों में long distance education के माध्यम से quality education दे सकते हैं digital connectivity उसके लिए बहुत बड़ा रोल कर सकती है। और मैं देख रहा हूं कि बहुत नौजवान virtual lab के द्वारा आज बच्चों को पढ़ाने का काम कर रहे हैं। और वैसे ही वो पढ़ पाते हैं जैसे actually उन्होंने lab में जाकर के काम किया हो। उसका confidence level बढ़ जाता है। 3D projection के कारण आज विद्यार्थी अगर उसको हार्ट के संबंध में पढ़ना है, पहले टीचर कितना ही समझाते थे आज अगर 3डी उसको दिखा दें तो तुरंत उसका समझ आ जाता है कि हार्ट ऐसे काम करता है और बच्चा उसको receptive होता है। मैंने एक बार जब मैं मुख्यमंत्री था तो मैंने एक छोटा सा सर्वे करवाया था। कि मध्याह्न भोजन योजना के तहत primary government school में क्या impact होता है। और वहां पर अगर हम digital smart class room बनाएं तो क्या फर्क होता है। कुछ स्कूल ऐसे जहां smart class room बनवाया था कुछ स्कूल थी जहां smart class room नहीं था। मध्याह्न भोजन पर बल था। smart class room थे वहां भी मध्याह्न भोजन था फिर अनुभव आया कि smart class room ने बच्चों को ऐसा आकर्षित किया था। झुग्गी-झोंपड़ी के बच्चे वहां पढ़ते थे उनको बड़ा मजा आता था सीखने का आकर के बैठ जाते थे उनको मध्याह्न भोजन की परवाह नहीं थी। वो मध्याह्न भोजन के लिए उनको खींच-खींच के ले जाना पड़ता था। जबकि जहां मध्याह्न भोजन था वहां पर उतनी बड़ी मात्रा में संख्या नहीं आती थी। वहां भी मध्याह्न भोजन में रुचि नहीं थी लेकिन smart class नहीं होने के कारण वो जाकर के बैठने में रुचि नहीं लेता था। अब ये जो प्रभाव है। वो डिजिटल प्रभाव है और आने वाले दिनों में हायर एजुकेशन में उसका बहुत बड़ा रोल होने वाला है। धन्यवाद.....

एंकर - माननीय कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी हरियाणा से गौरव आपसे बात करने के लिए उत्सुक हैं गौरव....

प्रश्न – माननीय प्रधानमंत्री मेरा नाम गौरव है और मैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा से हूं... Sir, it pains us to see poverty in our country we have seen your efforts to remove poverty in our country. Do you think we can become poverty free India in future?

एंकर – हमारे देश में गरीबी को देखकर बहुत दर्द होता है। गरीबी को दूर करने के आपके प्रयासों को हमने देखा है। क्या आपको लगता है कि निकट भविष्य में हमारा देश गरीबी मुक्त बन सकता है। माननीय कृपया बताएं।

प्रधानमंत्री – अगर देश तय कर ले हमें गरीबी से मुक्त होना है। तो दुनिया की कोई ताकत हमें गरीब नहीं रख सकती। सवा सौ करोड़ देशवासियों में इतना सामर्थ्य है अगर उस हमारे natural resources या human resources इसका अगर हम सही ढंग से प्लान करके आगे बढ़ें। गरीबी से मुक्ति पाना मुश्किल नहीं है। मैं साढ़े चार के अनुभव से कह सकता हूँ। इन दिनों दुनिया में दो चीजें उभर कर आई हैं। एक दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली बड़ी इकोनॉमी में भारत नंबर एक है। ये कोई भारतीय को गर्व होगा। दूसरा यूएन समेत इंटरनेशनल एजेंसी का कहना है कि विश्व में भारत पहले नंबर पर है। जो तेज गति से गरीबी से बाहर निकल रहा है। बहुत तेजी से न्यू मीडिल क्लास का बल बढ़ रहा है। और उस पर ये भी उन्होंने कहा है कि भारत का schedule caste के लोग और भारत के मुसलमान ये दो लोग इसके सबसे ज्यादा beneficiary हैं वो सबसे तेज गति से गरीबी से बाहर आ रहे हैं। अब किसी ने सोचा था, महात्मा गांधी कि आजादी और स्वच्छता दोनों में से मुझे एक पसंद करना होगा तो मैं पहले स्वच्छता पसंद करूंगा। गांधी जी ने बहुत प्रयास किए। आजादी का आंदोलन भी चल रहा था, स्वच्छता के लिए भी बात चल रही थी। आजाद होने के बाद हम उस काम को आसानी से आगे बढ़ा सकते थे। लेकिन वो चलता है, कोई अगर कर ले तो कर ले न करे तो न करे। मैंने लालकिले से आवाह किया, देश को आग्रह किया और यह देश अपने प्रयत्नों से स्वच्छता के विषय में आज तेज गति से संतोषजनक आगे बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर, मैंने ये अफसर यहां बैठे हैं, अनंतनाग में थे पहले, शायद वो स्वच्छता का इनाम मेरे हाथ से ले गए थे। बहुत बड़ा काम किया था जी, बहुत बड़ा काम किया था और देश के लोगों को बड़ा गर्व हुआ था। अब इतना बड़ा काम आज open defecation free जम्मू-कश्मीर का होना ये अपने आप में बहुत बड़ी बात है। जब 2014 में हम आए तो हमारे देश में rural sanitation 38 percent था आज वो 98 percent है। ये सिर्फ सरकार के कारण हुआ है ऐसा मैंने कभी नहीं कहा। एक बार देश की जनता ठान लेती है कैसे परिणाम लाती है ला पा रही है। इस देश ने तय किया, देश में बैंकों का राष्ट्रीयकरण बहुत लंबे समय से हुआ था लेकिन खाते नहीं खुलते थे गरीबों के लिए। हमने तय किया हर गरीब का खाता खुलना चाहिए। आज हिन्दुस्तान में 2014 में 40 प्रतिशत लोगों के बैंक अंकाऊट थे आज करीब-करीब 100 प्रतिशत बैंक अंकाऊट हैं। हमारे देश कुल 25-26 करोड़ परिवार हैं और मुझे आर्थिक हिसाब से मोटा-मोटा बताया गया था। क्योंकि राज्य जो आंकड़े देते थे। करीब 4 करोड़ परिवार ऐसे होंगे जहां बिजली नहीं है। हमने बीड़ा उठाया है। हर घर में बिजली होनी चाहिए और मुझे खुशी है कि आज जम्मू-कश्मीर ने इस काम को पूरा कर दिया। यानी एक बार हमारा देश तय करे कि इस समस्या से निकलना है, निकलेगा। अब जम्मू-कश्मीर ने एक सपना देखा है कि वो टैप वाटर घरों तक देंगे, ये बहुत बड़ा सपना है। ये मुझे विश्वास है जम्मू-कश्मीर की टोली है करके रहेगी। यहां की bureaucracy इसको भी achieve करके रहेगी। हमारे देश में हमने बस तय करना है। हमने गरीबी से लड़ना है और गरीबी से लड़ने का तरीका रेवड़ी बांटने से नहीं होता है। गरीब को empower करना होता है उसका सशक्तिकरण करना होता है। उसके भीतर गरीबी को पार करने का यानी एक प्रकार से मिजाज भर देना पड़ता है। और मुझे लगता है कि अगर स्वभाव उसमें पैदा कर सकते हैं, तो वो करेगा। जब हम आवाज देते हैं, शिक्षा देते हैं, आयुष्मान भारत से हेल्थ की बात करते हैं तो गरीब को भी लगता है कि अब मेरे दिन आ चुके हैं, मैं आगे बढ़ सकता हूँ। मेरे मां-बाप ने गरीबी में जिंदगी गुजारी, मैं अपने बच्चों को गरीबी में जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर नहीं करूंगा। ये मैं वातावरण देख रहा हूँ और जिस दिशा में चल रहे हैं। बहुत तेजी से गरीबी घटती चली जाएगी। गरीबी से मुक्ति मिलती चली जाएगी। और वो दिन होगा जब हम लोगों ने जीवित रहते हुए अपनी आंखों से देखा होगा, कि देश गरीबी से मुक्त हुआ है।

एंकर – धन्यवाद माननीय आज देश को बदला हुआ देखकर आज का जो यूथ है वो बहुत ही ज्यादा उत्साहित है माननीय अंकित है जो उत्कल विश्वविद्यालय उड़ीसा से है आपसे कुछ कहना चाहती है।

प्रश्न - माननीय प्रधानमंत्री मैं अंकित उत्कल विश्वविद्यालय उड़ीसा से हूँ हमारे यहां अनेक heritage sides और शानदार beach हैं कई बार मेरा मन करता है कि मैं यहां के टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कुछ करूँ, लेकिन फिर कुछ समझ नहीं आता। आपकी राय में हम किस तरह से education को tourism के साथ जोड़कर उड़ीसा के लिए

कुछ कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री - एक तो मैं आपको बधाई देता हूँ कि आपकी शिक्षा का एक प्रभाव जो मैं देख रहा हूँ आपमें कि आप उड़ीसा की ताकत को जानती हैं और आप उसको कैसे उपयोग किया जाए इस पर सोच रही हैं, मेरे सामने मैं देख रहा हूँ, पंखे चल रहे हैं। श्रीनगर वालों को अचरज होता होगा। ये बात सही है कि हमारे देश में tourism का बहुत potential है, लेकिन हमने tourism के संबंध में कुछ उदासीनता बरती। Tourism की पहली शर्त होती है। कि आपको अपनी चीजों पर गर्व करना सीखना पड़ता है। हमारी आदत हो कि हमारा तो सब बेकार है नहीं वो कुछ नहीं है, वो तो ठीक है, अगर हमीं हम नहीं देखेंगे। उसका गर्व नहीं करेंगे तो दुनिया क्यों आएगी भई... आपने देखा होगा दुनिया में जहां भी tourism बढ़ा है। एक छोटा सा खंभा भी होगा तो गाइड ले जाकर ऐसी ऐसी उसकी कथा सुनाएगा, ऐसा गौरवगाण करेगा कि हमको लगता है कि यही कुछ है। और हम ... हां यार बना होगा.... अरे छोड़ो यार सब पैसे बर्बाद करते हैं.... देखिए tourism दुनिया की सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला अगर इकोनॉमी को कोई सेक्टर है तो tourism है। Trillions of dollar का business tourism का बढ़ रहा है और बढ़ने वाला है। दुनिया को मुझे बराबर याद है मैं बहुत साल पहले अमेरिकन government के निमंत्रण से एक बार यूएस गया था तो वो पूछते हैं कि आपका interest क्या है। मैंने जो लिखकर के भेजा पता नहीं, मेरे जैसा इंसान पहले मिला नहीं होगा, मैंने उन्हें कहा कि मुझे गांव में जाकर आपके यहां खेती की प्रक्रिया क्या है वो देखना है। दूसरा मैंने कहा कि मुझे बिल्कुल ठेठ गांव की कोई स्कूल है तो वो देखना है। तीसरा मैंने कहा कि गांव के अंदर में जो हेल्थ सेक्टर है बिल्कुल गांव का जहां छोटी बस्ती रहती है वो मुझे देखना है और चौथा मैंने कहा कि अमेरिका की सबसे कोई पुरातन की चीज हो जिसके लिए अमेरिका गर्व करता हो वो मुझे देखनी है। अब हमारे यहां किसी गली में जाओ तो ये बताएगा ये तो 2 हजार साल पुराना है, 3 हजार साल पुराना है। कितनी महान परंपरा हमारे पास है। लेकिन हमने इसका जितना जज्बे के साथ करना चाहिए नहीं किया। Tourism बहुत रोजी-रोटी देता है अब आप देखिए उड़ीसा इतना richness है, इतनी richness है। वहां के beaches देखिए, स्थापत्य देखिए, कोर्णाक देख लीजिए, technology की दृष्टि से भी वो एक नयापन है। उसको पता है उस रचनाकार को 2000 साल पुराना है। अपने आपमें ये बहुत अदभूत चीज है। हमें tourism को बढ़ावा देना चाहिए। ये बात सही है कि पिछले कुछ समय से tourism बहुत बड़ा है हमारे देश में, पहले करीब 70 हजार tourist आते थे, इस वर्ष 1 करोड़ tourist आए हैं, विदेश से पहले करीब 18 मिलियन डालर ये tourist जो आते थे उनसे हमें विदेशी मुद्रा मिलती थी। वो इस 27 मिलियन पर पहुंची है। यानी 50 प्रतिशत वृद्धि हुई है। तो tourist आने लगे हैं भारत का आकर्षण बढ़ा है। लेकिन स्वच्छता उसमें बहुत बड़ी ताकत देखी। नागरिकों का स्वभाव भी tourist को स्वीकार करने वाला है और आप जो विद्यार्थी मेरे साथ पढ़ रहे हैं, उड़ीसा से जुड़ने वाले हैं, technology से जुड़ने वाले हैं। मैं मानता हूँ उबेर की लाइन पर आप नौजवान एक बहुत बड़ा बिजनेस स्टार्ट कर सकते हैं tourism का उबेर की लाइन पर। कौन परिवार होम स्टे देना चाहते हैं उस पर हो, कोई भी व्यक्ति एक ऐसा ऐप बना सकते हैं कि अगर वो भारत में tourism चाह सकते हैं तो अपने घर से निकल कर अपने घर पहुंचने तक आप उबेर की तरह पूरा एक mechanism develop कर सकते हैं। आऊटस्टोर करके क्राऊड सोरसिंग करके और दुनिया को जोड़ सकते हैं और मैं चैलेंज देता हूँ आज नौजवानों को कि उबेर की तरह देश भर में कौन होम स्टे देने वाले हैं, आप होम स्टे देने वाले हिन्दुस्तान में आपको आज जितने होटलों के कमरे हैं न इससे दस गुना ज्यादा कमरे नए मिल जाएंगे। मैंने अभी बनारस में प्रवासी भारतीय दिवस का कार्यक्रम किया था, मैं काशी का एमपी हूँ लोगों से मैंने कहा और मैं हैरान था जी, हजारों की तादाद में लोग आए कि विदेश के मेहमान को हम एक कमरा देंगे, हमारे घर में, अब ये धीरे-धीरे काशी का होम स्टे का एक बहुत बड़ा बिजनेस डेवलेप हो जाएगा। उनको आदत हो गई हम भी होम स्टे आज पूरी दुनिया में popular है। अगर हम ऐसी उबेर जैसी ऐप बना करके इस बात को और मैं चाहूंगा कि मेरे सामने इतने सारे नौजवान हैं, technology के साथ जुड़े हुए नौजवान हैं, आइए आप मैदान में आइए उबेर से भ्जी आप आगे जाएंगे। ये मैं विश्वास देता हूँ आपको।

एंकर – धन्यवाद माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय प्रधानमंत्री जी आप गुजरात से हैं और इस वक्त हम गुजरात ही चल रहे हैं। विजय कुमार from M.N. College, Gujarat से आपसे कुछ जानना चाह रहे हैं।

प्रश्न - माननीय प्रधानमंत्री श्री नमस्कार, मैं विजय कुमार एम.एन कॉलेज, विस नगर, गुजरात से बोल रहा हूं। सर जब से बजट आया है मैं चारों ओर किसानों के बारे में जो योजना लागू की गई है। उसकी चर्चा सुन रहा हूं, वाकई मैं कोई सोच नहीं सकता कि किसानों के बारे में इतनी बड़ी योजना लागू की जाएगी और सर मैंने ये भी सुना है कि आपने पश्चिम बंगाल में ये कहा कि अगले दस सालों में सरकार किसानों के लिए 7 लाख 50 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। सर मेरा प्रश्न ये है कि सरकार इतने पैसे लाएगी कहां से.... धन्यवाद।

प्रधानमंत्री – आप विरोध पक्ष की अखबार पढ़ते लगते हैं, खैर आप मेरे गांव के पड़ोसी हैं, मेरा गांव वडनगर है, आप विसनगर के हैं बिल्कुल बगल में ही हम दोनों का गांव है वहीं से आप बोल रहे हैं। मुझे खुशी हुई कि विसनगर से अपने गांव को भी आज ताजा कर रहा है मोदी। ये बात सही है जिस इलाके से आप हैं वहां किसानों को बहुत दिक्कत है, पानी की बहुत किल्लत है, एक प्रकार से सूखा इलाका है और वहीं से आप बोल रहे हैं क्योंकि मैं वहां से पैदा वहीं हुआ हूं तो मुझे पता है। बहुत दिक्कत वाली वो जगह है। देखिए हमारे देश में संसाधनों की कोई कमी नहीं है। दुर्भाग्य ये है कि भारत के एक प्रधानमंत्री ने कहा था एक रुपया निकलता है 15 पैसे पहुंचता है। अब फायदा ये है कि 1 रुपया पहुंचता है पूरा 100 पैसा पहुंचता है। सबसे बड़ा कारण ये है। दूसरा जब आप पाई-पाई का सही उपयोग करते हैं। तो जो tax payers होते हैं उसको भी ईमानदारी से टैक्स पे करने का मन करता है। क्योंकि वो देखता है कि मेरे पैसों का सही उपयोग होता है। आप कल्पना कर सकते हैं मैंने देश के लोगों को कहा कि आपको गैस की सब्सिडी की जरूरत नहीं है तो छोड़ दीजिए न, कोई कानून नहीं बनाया था, सिर्फ request की थी और मेरे देश के सवा करोड़ परिवारों ने गैस सब्सिडी छोड़ दी उसका परिणाम है कि सवा करोड़ गरीबों को गैस पहुंच गया। अब काम हो गया। इतनी ताकत है मैंने अभी रेलवे में senior citizens को रेलवे टिकट में कनसेशन मिलता है, सब्सिडी मिलती है, तो ऐसे मैंने कहा फार्म में लिखो तो सही कि मैं सब्सिडी सेरेंडर करना चाहता हूं, कोई अपील नहीं की, मैंने कभी भी अपील नहीं की है। किसी अखबार में भी नहीं छपवाया। अगर फार्म भरकर के मैंने देखा इस देश में 42 लाख ऐसे पैसेंजर निकले जिन्होंने सब्सिडी छोड़ दी। रेलवे को पूरा पैसा दिया अपना पैसा छोड़ दिया। पैसे ऐसे आते हैं। अगर एक बार ईमानदारी का माहौल बनता है, तो लोग पैसे देने के लिए तैयार होते हैं, पैसों के कारण कोई रुकावट कभी नहीं आती है। आज हम अनुभव कर रहे हैं, कि देश बहुत तेजी से 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी की तरफ जा रहा है। और मैं आपको एक रहस्य बता दूं, कि आपके जो चीफ सेक्रेटरी हैं वो कभी प्रधानमंत्री कार्यालय में काम करते थे। पहले वो डॉक्टर मनमोहन सिंह जी के साथ काम करते थे। जब मैं आया तो मैं भी उनको छोड़ नहीं रहा था, उन्होंने मुझे एक दिन बताया था कि साहब आप भाषण करने जा रहे हो, आप बताओ हमारा देश 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनेगा, दो साल पहले उन्होंने मुझे बताया था। वो विचार मेरे मन में, और आज मैं देख रहा हूं कि हिन्दुस्तान 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनकर रहेगा, हमारी आंखों के सामने बनकर रहेगा और इसलिए पैसों की कोई कमी नहीं होती है। सही इस्तेमाल और आपने सही कहा आने वाले दस साल में जो हमने योजनाएं इस बजट में की हैं। किसानों को दस साल में साढ़े 7 लाख करोड़ रुपया उनकी जेब में जाएगा जी, वो किसी भी परिस्थिति में मुकाबला करने की ताकत करने वाला बन जाएगा और मुझे विश्वास है कि इस योजना से देश का किसान एक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा। धन्यवाद.....

एंकर – बहुत-बहुत धन्यवाद प्रधानमंत्री जी, इस वक्त बहुत सारे students इस कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं और आपको उन्होंने सुना, screen पर आप देख सकते हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय प्रधानमंत्री जी, सभी students को प्रोत्साहित करने के लिए और उनकी हौसला अफजाई करने के लिए और राष्ट्र को नई रोशनी देने के लिए, अपने आपको देश का प्रधान सेवक मानने वाले माननीय प्रधानमंत्री जी देश की सेवा में जी-जान से जुटे हुए हैं।

प्रधानमंत्री भाषण

जिन नौजवानों से बात करने का मुझे मौका मिला आज आप सभी का आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति आपकी जो एक positivity जो मुझे अनुभव आई, मेरे लिए भी उत्साहजनक है, मेरी ऊर्जा बढ़ाने वाली है। मैं सबसे पहले तो इन प्रश्नकर्ता और कार्यक्रम में आए देश भर के नौजवानों का आभार करता हूं। देश भर से जो साथी जुड़े हैं उनको मैं

फिर बता दूँ कि यहां पर श्रीनगर में तापमान काफी नीचे है। हो सकता है रात होते-होते माइनस हो जाएगा। इसके बावजूद मौजूद यहां मेरे युवा साथी अनेक कश्मीरी भाई-बहन मौजूद हैं। ये कश्मीर की spirit को दिखाता है। कश्मीरियों की भावना को दिखाता है।

मंच पर विराजमान जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल श्रीमान सतपाल मलिक जी, मंत्रिमंडल में मेरे सहयोगी डॉ. जितेंद्र सिंह, यहां उपस्थित सभी मेरे भाईयो और बहनों।

साथियों, आज जब मैं श्रीनगर आया हूँ तब मैं शहीद नजीर अहमद वाणी सहित उन सैकड़ों वीरों को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ जिन्होंने शांति के लिए राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। शहीद नजीर अहमद वाणी उनके इसी अदम्य साहस और वीरता के लिए कृतज्ञ राष्ट्र ने अशोक चक्र से सम्मानित किया है। शहीद वाणी जैसे युवा ही जम्मू-कश्मीर और देश के हर नौजवान को देश के लिए जीने और देश के लिए समर्पित होने का रास्ता दिखाते हैं। मैं जम्मू-कश्मीर के लाखों लोगों को बधाई देता हूँ। जिन्होंने सालों बाद पंचायतों और शहरी निकायों के चुनाव करवाए और अपने नुमाइंदे चुने।

लोकतंत्र के प्रति आपकी ये निष्ठा नफरत से भरे लोगों के लिए एक बहुत बड़ा संदेश है। कुछ लोगों द्वारा negativity फैलाने की कोशिश के बीच धमकियों से बेपरवाह आप जिस संख्या में पोलिंग बूथ तक पहुंचे हैं वो आपके अपने बच्चों के भविष्य जम्मू और कश्मीर के विकास की भावना को और पुख्ता करता है।

साथियों, आज मुझे यहां करीब 7 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने का अवसर मिला है। ये तमाम प्रोजेक्ट्स श्रीनगर और आस पास के इलाकों के लोगों के जीवन को आसान बनाने में मदद करने वाले हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और infrastructure से जुड़ी इन परियोजनाओं के लिए आप सबको बहुत-बहुत बधाई।

साथियों, जैसे कि आपने देखा आज श्रीनगर देश की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े एक बहुत बड़े कार्यक्रम की मेहरबानी कर रहा है। आपमें से बहुत लोगों ने नोटिस किया होगा कि चार साढ़े चार वर्ष पहले जितने भी बड़े कार्यक्रम लॉन्च होते थे या फिर केंद्र सरकार कोई योजना शुरू करती थी। वो सब कुछ दिल्ली के विज्ञान भवन में होता था। लेकिन हमने पुरानी सरकारों की संस्कृति को ही बदल दिया है।

हमारी सरकार ने **आयुष्मान भारत योजना** की शुरुआत झारखंड से की, **उज्ज्वला योजना** की शुरुआत उत्तर प्रदेश से की, **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना**, **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना** पश्चिम बंगाल में जाकर की, **हैंडलूम** से जुड़े राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत तमिलनाडू से की, **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ** की शुरुआत हरियाणा से की, **पोषण अभियान** की शुरुआत राजस्थान जाकर के की।

अब आज पूरे देश से जुड़े एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए हम सभी आज श्रीनगर में मौजूद हैं और देश भर के कार्यक्रम का लॉन्चिंग आज मैं श्रीनगर की धरती से कर रहा हूँ। आज यहां राष्ट्रीय उच्च स्तर शिक्षा अभियान यानी रूसा के दूसरे फेज से जुड़े प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई है, यहीं से देश भर 70 नए मॉडल डिग्री कॉलेज, 11 प्रोफेशनल कॉलेज, एक महिला यूनिवर्सिटी, 60 से अधिक entrepreneur, innovation और carrier hub का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया है। इनमें से अनेक संस्थान यहीं जम्मू-कश्मीर के लिए भी हैं।

साथियों, ये दिखाता है कि न्यू इंडिया किस दिशा में चल रहा है। नए भारत के निर्माण के लिए हमारा रास्ता क्या है। research, innovation, incubation or startup के लिए एक नया temperament देश में विकसित किया जा रहा है। देश भर स्कूलों में बन रही अटल टिकरिंग लैब्स को, अटल incubation centers को जय जवान जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान का हमारा संकल्प और सशक्त हो रहा है। इस सशक्तिकरण का गवाह हमारा श्रीनगर बना है, जम्मू-कश्मीर बना है।

साथियों, ये startup India अभियान का ही असर है कि आज भारत चीन और अमेरिका के बाद तीसरा सबसे बड़ा startup nation बन गया है। बीते तीन-चार वर्षों में 15 हजार से अधिक startups recognize किए जा चुके हैं। इनमें से भी लगभग 50 प्रतिशत startups टीयर वन टीयर टू शहरों में स्थापित रहे हैं।

साथियों, startups के साथ-साथ देश इनके ग्रामीण इलाकों में टेक्नोलॉजी का विस्तार भी हमारी प्राथमिकता में है। आज देश भर में तीन लाख से अधिक common service centre ग्रामीणों को डिजिटल सेवाएं तो दे ही रहे हैं। लाखों युवाओं को रोजगार से भी जोड़ रहे हैं। आज बांदीपुरा में राज्य का पहला बीपीओ भी खुल गया है इससे बांदीपुरा के युवाओं के लिए नए अवसर का द्वार खुला है।

भाईयो-बहनों जितने भी प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन आज किया गया है। ये देश के ऐसे जिलों में शुरू किया जा रहा है जो विकास की दौड़ में आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। रूसा के दूसरे चरण में देश के पौने चार सौ जिलों में उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान तैयार किए जा रहे हैं। अवसरों की समानता की तरफ एक और बड़ा कदम है। मुझे विश्वास है कि इन सभी जिलों के युवाओं को जब अपने घर के पास ही अच्छे संस्थान मिल जाएंगे तो अपने टेलेंट को और निखार पाएंगे, अपनी skill को और तराश पाएंगे।

साथियों, जब मैं न्यू इंडिया के आत्मविश्वास की बात करता हूं तो उसके पीछे एक ठोस आधार रहता है। जम्मू-कश्मीर की बेटी नौ साल की तजामुल इस्लाम जैसे देश के अनेक साथी हैं जो मुश्किल हालात में भी कुछ करने के लिए आगे बढ़ते हैं।

केंद्र सरकार आप सभी युवा साथियों के इस उत्साह, इस उमंग को और उड़ान देना चाहती है। इसके लिए खेले इंडिया अभियान के तहत एक बहुत बड़ा टेलेंट हंट कार्यक्रम देश में चल रहा है। छोटे-छोटे शहरों, कस्बों में स्पोर्ट्स की बेहतरीन सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। यहां जम्मू-कश्मीर के 22 जिलों में भी multi purpose sports hall बनाने की योजना शुरू की गई है। आज भी गांदरबल में ऐसे ही एक इंडोर स्टेडियम का उद्घाटन किया गया है।

साथियों, जम्मू-कश्मीर में बीते 7-8 महीनों में विकास की गति को तेज करने का प्रयास किया गया है। यहां के सामान्य मानवी का जीवन आसान हो इसके लिए यहां का प्रशासन जुटा हुआ है। मुझे बताया गया है कि अनेक ऐसे प्रोजेक्ट्स जो दस-दस, बीस-बीस साल से अटके हुए थे वो भी अब पूरे कर लिए गए हैं बीते दो महीने में सैंकड़ों की डॉक्टरों की भर्ती हो, या बारामुला का पुल हो, ऐसे अनेक प्रोजेक्ट पूरे किए गए हैं। मैं जम्मू-कश्मीर के एक-एक नागरिक को बधाई देता हूं कि आप सभी ने पिछले साल सितंबर में तय समय से पहले ही राज्य को खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया है। आप बधाई के पात्र हैं। मुझे ये भी बताया गया है कि जम्मू-कश्मीर को देश का पहला ऐसा राज्य बनने का लक्ष्य रखा गया है जहां हर गांव, गांव तक पाइप से पीने का पानी उपलब्ध होगा, ये बहुत सराहनीय प्रयास है।

साथियों, हमारी सरकार में तय समय सीमा में लक्ष्य को प्राप्त करने का ईमानदार प्रयास किया जाता है। आप सभी को याद होगा कि लालकिले से मैंने एक हजार दिन के भीतर देश के 18 हजार से अधिक उन गांवों तक बिजली पहुंचाने के लिए ऐलान किया जो स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी अंधेरे में गुजारा करते थे। उस लक्ष्य को समय सीमा के भीतर ही पूरा कर लिया गया है। इसके बाद **सौभाग्य योजना** के तहत देश के करोड़ों परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन देने का अभियान चल रहा है। लगभग ढाई करोड़ कनेक्शन दिए जा चुके हैं। और बहुत जल्द बाकी घरों को भी रोशन किया जाएगा। मुझे खुशी है कि जम्मू-कश्मीर में भी अब करीब-करीब हर परिवार तक बिजली का कनेक्शन पहुंच चुका है। इसके लिए मैं यहां के लोगों को बिजली विभाग से जुड़े हर कर्मियों को, हर इंजीनियर को ह्यपूर्वक बधाई देता हूं। राज्य सरकार की पूरी टीम को बधाई देता हूं।

साथियों, जम्मू-कश्मीर में हर घर तक बिजली पहुंचाने के साथ-साथ पर्याप्त बिजली देने की कोशिश भी की जा रही है। लेह, लद्दाख, कारगिल हो जम्मू हो या फिर अब श्रीनगर तीनों जगहों पर आज बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन से जुड़े अनेक बड़े प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास एक ही दिन में करने का मुझे मौका मिला है। यहां की बिजली जरूरतों को देखते हुए आजादी के बाद पहली बार इतने व्यापक स्तर पर काम हो रहा है। हमारी सरकार की कोशिश है कि पहले जो भारत के हक का पानी बेकार में बह जाता था। उसकी एक-एक बूंद का उपयोग जम्मू-कश्मीर के हित में किया जाए, इसी सोच के साथ अनेक पावर प्रोजेक्ट्स यहां शुरू किए गए हैं।

साथियों, ये तमाम प्रोजेक्ट्स देश भर में infrastructure को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं का परिणाम है, सड़क हो, बिजली हो, शिक्षा हो, या फिर स्वास्थ्य मूल सुविधाओं के निर्माण में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर के हेल्थ infrastructure को मजबूत करने के लिए जम्मू और पुलवामा में बनने वाले दो एम्स का आज ही शिलान्यास किया गया है। इन दोनों संस्थानों से राज्य के स्वास्थ्य सेक्टर में बहुत बड़ा बदलाव आने वाला है।

साथियों, हम आधुनिक अस्पताल तो बना ही रहे हैं, दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ केयर स्कीम आयुष्मान भारत पीएमजे भी चला रहे हैं। देश के इतिहास में इतनी बड़ी हेल्थ केयर स्कीम गरीबों के लिए पहले कभी नहीं हुई। इस योजना के तहत गरीबों का हर वर्ष पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित हुआ है।

देश के लगभग 50 करोड़ गरीब बहन भाई इसके दायरे में हैं। जिसमें से तीस लाख लाभार्थी जम्मू-कश्मीर के ही हैं।

साथियों, आयुष्मान भारत योजना की वजह से अब तक देश में 10 लाख से अधिक गरीबों को मुफ्त इलाज किया जा चुका है। अभी तो इस योजना को 100 दिन अभी-अभी पूरे हुए हैं। इतने कम समय में 10 लाख लोगों के मेजर सर्जरी उनकी मुसीबत में एक प्रकार से जो दो-दो तीन-तीन साल से मौत का इंतजार कर रहे थे। उनको आज नई जिंदगी मिलेगी। इस योजना के तहत हर दिन दस हजार से अधिक हमारे गरीब भाई बहन मुफ्त इलाज पा रहे हैं। और ये पचास करोड़ लोग, ये दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको इनकी जो टोटल पापुलेशन है उससे ज्यादा लोगों के लिए हमारी आयुष्मान भारत योजना है। आप कल्पना कर सकते हैं कितना बड़ा काम है।

साथियों, आयुष्मान भारत जैसी योजना एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी सर्वोत्तम उदाहरण है। क्योंकि जम्मू-कश्मीर का लाभार्थी देश में कहीं भी इस योजना का लाभ ले सकता है। मान लीजिए आप यहां से मुंबई गए और बीमारी आ गई, आप यहां पर अगर रजिस्टर्ड हैं तो मुंबई के अस्पताल में भी आप बिना खर्च किए लाभ ले सकते हैं। मुंबई का कोई यहां श्रीनगर के अंदर घूमने-फिरने आया है कुछ मुसीबत आई वो यहां फायदा ले सकता है। सरकार ने सारी व्यवस्था करने के लिए व्यवस्था बनाई हुई है। संसाधनों की साझेदारी की यही शक्ति हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है। हर मुश्किल परिस्थिति में एक-दूसरे के काम आ सके, यही भारत की आत्मा है, यही कश्मीर की भावना है।

साथियों, इसी कश्मीरित का तकाजा है कि हिंसा के दौर जिन कश्मीरी पंडित भाईयो बहनों को यहां से अपना घर, अपनी जमीन, अपने पूर्वजों की यादों को छोड़ कर जाना पड़ा है। उनको पूरे सम्मान से यहां बसाया जाए।

प्रधानमंत्री विकास पैकेज के जरिये हम इसके लिए कोशिश कर रहे हैं, राज्य प्रशासन ने वैसु और सेफपुरा में ट्रांजिट आवास बनाने शुरू कर दिए हैं। आज मुझे बांदीपुरा और गांदेरबल में ट्रांजिट आवास की सुविधा का विस्तार करने वाली योजना का शिलान्यास करने का अवसर मिला है। ये योजना भी प्रधानमंत्री विकास पैकेज का ही हिस्सा है।

साथियों, यहां पर करीब 7 सौ फ्लैट बन जाने के बाद विस्थापित परिवारों को नई छत मिलेगी। सरकार का प्रयास रहेगा कि जो भी यहां वापिस आना चाहते हैं। उन्हें पूरी सुरक्षा और सम्मान के साथ यहां जगह मिले।

साथियों, कश्मीरी विस्थापितों को रोजगार के अवसर देने के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है। वर्ष 2015 में घोषित PM Development Package के तहत राज्य प्रशासन ने तीन हजार नियुक्तियों की स्वीकृति दे दी है। मुझे विश्वास है कि जल्द ही ये भर्तियां हो जाएंगी।

साथियों, जैसा कि मैंने शुरू में जिक्र किया कि जम्मू-कश्मीर के हीरो शहीद नजीर अहमद वाणी, शहीद मुहम्मद ओरेंगजेब और तजामूर हुसैन जैसे युवा हैं। जो शांति और देश के बेहतर भविष्य के लिए समर्पित रहे हैं। हीरो वही है जो सपने पूरा करने के लिए जीता है, वो सबसे बड़ा कायर है। जो दूसरे के सपनों को मारता है।

आज पूरा देश निर्दोष, निहत्थे, कश्मीरी बेटे, बेटियों की हत्या देखकर आक्रोश में हैं सिर्फ इसलिए कि वो नौजवान शांति चाहते हैं, जीना चाहते हैं उन्हें आतंकवाद का शिकार बनाया जा रहा है। यही यहां के आतंकवाद की सच्चाई है। मैं आज आपको जम्मू-कश्मीर के नौजवानों को और पूरे देश को ये विश्वास दिलाता हूं कि इस आतंक का पूरी

ताकत से मुकाबला किया जाएगा। हर आतंकी को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। सर्जिकल स्ट्राइक करके हम पूरी दुनिया को बता चुके हैं। कि अब भारत की नई नीति और नई रीति क्या होती है।

हम जम्मू-कश्मीर में भी आतंकवाद की कमर तोड़ करके ही रहेंगे। जम्मू-कश्मीर का विकास यहां के लोगों का विकास ये हमारी प्राथमिकता है। और हमेशा रहेगी, मैं एक बार फिर आप सभी को शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की शुरूआत के लिए से infrastructure परियोजनाओं के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। बहुत-बहुत बधाई देता हूं। और मैं विश्वास दिलाता हूं। अटल बिहारी वाजपेयी जो सपना देखते थे, उन्होंने हमें विरासत में जो काम दिया है, उसमें एक रती भर भी पीछे नहीं हटेंगे। उस भावना को हम साकार करके दिखाएंगे और इसके लिए चाहे लड़ाख हो, चाहे श्रीनगर हो, चाहे जम्मू हो एक-एक नागरिक को साथ लेकर के सबका साथ-सबका विकास का मंत्र लेकर के हम वही खुशहाल कश्मीर, शांत कश्मीर, पूरे हिन्दुस्तान को न्योता देने वाला कश्मीर हरी-भरी इस वादियों में खुशहाली के दिन वाला कश्मीर उस सपनों को पूरा करने के लिए जो भी आवश्यक है वो कदम हम उठाएंगे।

हमारा हर यहां का परिवार, हमारा हर यहां का हर बच्चा, उनका उज्ज्वल भविष्य, यही भारत के उज्ज्वल भविष्य का जीता जागता संबंध है। उन संबंधों को बरकरार रखते हुए हम इस बात को आगे बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास करते रहेंगे इसी विश्वास के साथ मैं आप सबको हृदय से बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद.

AKT/VJ/MS

(रिलीज़ आईडी: 1562582) आगंतुक पटल : 1088

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Marathi

प्रधानमंत्री कार्यालय

क्रेडाई यूथकॉन-2019 में प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 13 FEB 2019 9:55PM by PIB Delhi

CREDAI से जुड़े आप सभी नौजवान साथियों और वरिष्ठ महानुभव का बहुत-बहुत अभिनंदन। ये Youthcon एक ऐसे अवसर पर हो रहा है जब न्यू इंडिया की तरफ बढ़ते हमारे कदम नए पढ़ाव की तरफ निकल पड़े हैं, अभी-अभी पार्लियामेंट का सत्र समाप्त हुआ है, मैं आपके बीच में आया हूँ। आप सभी साथी नए भारत के नए और बुलंद सपनों की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। आप सामान्य मानवी के अपने घर के सपने को पूरा करने में जुटे हैं।

साथियों, CREDAI बीते दो दशकों से हर देशवासी के अपने घर के जो सपने हैं उसको पूरा करने में जुटा है। मुझे बताया गया है कि 23 राज्यों के 205 शहरों में आपके संगठन का विस्तार हुआ है। देश भर में आपके 12 हजार से अधिक मेंबर हैं। जिस रफ्तार से देश में रियल स्टेट सेक्टर का विस्तार हुआ है। उसी प्रकार आपका संगठन भी बढ़ा है। मुझे खुशी है कि आपने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के आशीर्वाद से अपनी यात्रा शुरू की थी। और उनके शुभ आशीष से आज आप इस स्थिति में पहुंचे हैं।

साथियों, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने सबसे पहले शहरों में गरीबों और मध्यम वर्गों के परिवारों को घरों के सपनों को पूरा करने का एक बीड़ा उठाया था। अटल जी ने इन शहरों में झुग्गियों में रहने वालों को घर देने के लिए 2001 में लखनऊ में वाल्मीकि अंबेडकर आवास योजना शुरू की थी। इतना ही नहीं ये अटल जी की ही सरकार थी। जिसने देश में घरों की आवश्यकता को देखते हुए हाऊसिंग और अर्बन डेवलपमेंट सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला था। अब आप लोगों को याद है कि नहीं मुझे मालूम नहीं है

साथियों, केंद्र की वर्तमान एनडीए सरकार अटल जी के प्रयासों को विस्तार देने में जुटी है। देश का गरीब हो, देश का मध्यम वर्ग हो, उसके घर का सपना पूरा हो, 2022 तक जब आजादी के 75 साल होंगे, 2022 तक हर बेघर को अपना पक्का घर मिले इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आज देश के गांव और शहरों में लगभग डेढ़ करोड़ गरीबों के घर बनाए जा चुके हैं। जिसमें से लगभग 15 लाख घर शहरी गरीबों के लिए बनाए जा चुके हैं।

साथियों, जब भी मैं घर बनाने का ये आंकड़ा देता हूँ तो हमारे राजनीतिक जो प्रतिद्वंदी हैं और मीडिया में मेरे कुछ ज्यादा ही चाहने वाले लोग भी हैं। उनके जरा प्यार की वर्षा बहुत रहती है मुझ पर, वो पूछते हैं कि इसमें नया क्या किया है इस तरह की योजना तो पहले भी चलती थी ये बात सही है ये योजनाएं पहले भी चलती थीं, जरूर चलती थी। लेकिन सच्चाई है कि ये भी सबके सामने सच्चाई है कि प्रधानमंत्री आवास योजना और पहले की ये आवास योजनाओं में सबसे पहला अंतर तो नीयत का है।

साथियों, ये योजना ऐसी है जिसमें किसी के नाम को अमर करने की कोशिश नहीं है। सिक्का मारने की कोशिश नहीं है। जो भी प्रधानमंत्री बनेगा चलता रहेगा। अब इसमें नियत की..... मुझे कहना पड़ेगा कुछ क्या.....किसी नामदार की, पब्लिसिटी के लिए ये योजना नहीं है। जब आप किसी योजना से नाम का या स्वार्थ का भाव निकाल देते हैं तो आपकी नीति स्पष्ट हो जाती है और इसलिए इसमें करप्शन का, अपने-पराये का, मेरा-तेरा का... ये सारा भाव खत्म हो जाता है।

अब वैज्ञानिक तरीके से तकनीक का उपयोग कर लाभार्थियों का चयन होता है। किसी के कहने पर लिस्ट में नाम कटने या जोड़ने का काम जो होता था उसकी एक बड़ी दुकान चलती थी। बड़े मशहूर खिलाड़ी होते थे और actually मकान बनाने वालों से ज्यादा, मकान दिलाने वाले कमाते थे। अभी ये दुकानें बंद हो गईं, हो सकता है उसमें आपमें भी कोई तकलीफ वाले लोग हो सकते हैं। लेकिन अब आपने प्रधानमंत्री ऐसा बनाया है तो क्या करें।

साथियों, तीसरा काम गुणवत्ता का है, पहले जो घर बनते थे उनका लक्ष्य उसमें रहने वालों की सुविधा की बजाय... मैं बड़ी जिम्मेवारी के साथ कहता हूँ, नामदारों के प्रचार-प्रसार का ही रहता था। इसलिए सिर्फ चारदीवारें खड़ी की जाती थी। हाल में मैंने एक टीवी रिपोर्ट में देख रहा था, मुझे नहीं पता आप लोगों ने ये देखा होगा कि नहीं, यूपी में अमेठी करके एक स्थान है क्यों आपको इससे एतराज है क्या। मुझे लगता है आप लोग मुझसे ज्यादा जानते हैं।

देश के नामदार परिवार के किसी न किसी सदस्य को वहां के लोगों ने भरपूर प्यार दिया है, आंखे बंद करके प्यार दिया है। कभी कोई सवाल नहीं पूछा है। उस अमेठी की रिपोर्ट में एक दलित बस्ती के बारे में बताया गया है वहां के लोगों को दस वर्ष पहले सांसद आवास दिलवाए और अपना नाम भी हर जगह पर चिपका दिया। लेकिन आज स्थिति ऐसी है कि जिस दीवारों पर नाम लटकाए गए थे, दस साल के भीतर वो दीवार ही नहीं बची।

साथियों, अब उन्हीं बस्तियों में प्रधानमंत्री आवास योजना के घर बन रहे हैं, ये घर पहले से भी बड़े हैं, इनमें टायलेट भी है, किचन में एलपीजी गैस कनेक्शन भी है, बिजली का कनेक्शन भी है यानि सरकार की अनेक योजनाओं का समावेश इस घर में अपने आप ही उस व्यवस्था की तहत हो रहा है। गरीब को वहां-कहां भागने की जरूरत नहीं है।

साथियों, चौथा परिवर्तन जो पहले की तुलना में किया गया है वो स्पीड का है, स्केल का है। पिछली सरकार के दस वर्षों में शहरी गरीबों के लिए 13 लाख घर स्वीकृत हुए हैं। बीते साढ़े चार वर्षों में 73 लाख यानि लगभग छह गुना, पिछली सरकार के दस वर्षों में शहरी गरीबों के घरों के लिए लगभग 38 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं और बीते साढ़े चार वर्षों में लगभग 4 लाख करोड़ यानि कि दस गुना अधिक पिछली सरकार के दस वर्षों में शहरों में गरीबों के लिए 8 लाख घर बनकर तैयार हुए और बीते साढ़े चार वर्षों में लगभग 15 लाख घर बनकर तैयार हो चुके हैं यानि लगभग दो गुना ज्यादा। यही गति है जिसके बल पर हम 2022 तक हर बेघर को छत देने की बात कर रहे हैं। हवा हवाई दावों वाला काम हमारा नहीं है।

साथियों, गरीबों के घर के सपनों को साकार करके ही हम दम लेने वाले हैं। देश के मध्यम वर्ग के घर के लिए भी किसी सरकार ने पहली बार सोचा है। हमने इसके लिए Credit links scheme यानी CLSS को विस्तार दिया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मध्यम वर्ग के परिवारों को जिनकी आय 18 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक है। होम लोन के ब्याज में छूट दी जा रही है। ये पहली बार हुआ है। इस योजना के तहत घर खरीदने वालों को पांच साढ़े पांच लाख रुपया और अभी जैसे बताया था छह साढ़े छह लाख रुपये तक की उसकी बचत होने वाली है। अब ये एक मध्यम वर्ग के परिवार का घर बने और उसके बजट में छह साढ़े छह लाख रुपया बच जाए मध्यम वर्ग की जिंदगी की बहुत बड़ी ताकत होती है। पिछले वर्ष ही हमने एलआईजी और एमआईजी के तहत आने वाले घरों का साइज भी बढ़ा दिया है।

साथियों, मध्यम वर्ग के बहन भाई विशेष तौर पर हमारे युवा साथी अपने घर के सपने को पूरा करे इसके लिए हाल में बजट में कुछ बड़े प्रावधान किए गए हैं। सबसे बड़ी बात तो ये है पांच लाख रुपये तक की टैक्सेबल इनकम पर टैक्स जीरो कर दिया गया है। इससे युवा साथी अपने कैरियर की शुरुआत के दौर में अपना घर खरीदने के लिए और अधिक प्रोत्साहित होंगे। टैक्स माफ होने का घाटा सरकार को हुआ लेकिन फायदा आपको हुआ है। लेकिन ताली आपकी दम वाली नहीं है। ये दम वाली क्यों नहीं थी, ये ताली दम वाली क्यों नहीं थी उसका कारण है क्योंकि आप 5 लाख वाले की रेंज से बाहर हैं। लेकिन आपको ये समझ नहीं आया 5 लाख जाने से.... उसका जो पैसा बचा है वो घर खरीदने में जाने वाला है, वो आपकी झोली भरने वाला है। ठीक से समझ आ गया पक्का। मैं आपकी बिजनेस में आने वाला नहीं हूं, कम्पीटीटर नहीं हूं आप चिंता मत करो।

पहले 1 लाख 80 हजार तक के किराए पर टैक्स नहीं कटता था। लेकिन अब ये बढ़ाकर 2 लाख 40 हजार कर दिया गया है। फिर ताली में दम नहीं है। क्योंकि आपको समझ ही नहीं आया, आपको किसी ने समझाया नहीं कि इस बजट ने ये हाऊसिंग इंडस्ट्री वालों को कितना फायदा किया है इसके लिए प्रधानमंत्री को खुद को समझाना पड़ रहा है। अच्छा अब समझ आया क्या, अगर उसको टैक्स फ्री किराया गिना जाएगा तो उसको नया मकान बनाना, ज्यादा मकान बनाना, किराए पर देना उसके लिए एक व्यवसाय का हिस्सा बन जाएगा। तो मकान कौन बनाएगा वो बनाएगा क्या वो मकान किससे खरीदेगा मोदी से खरीदेगा क्या। अच्छा हुआ मैं आप लोगों को मिला... नहीं तो मैं यही मानता था कि मेरा बजट तो सबको समझ आ गया। संसद में हमें तकलीफ होती थी समझाने में.... इसके अलावा जो परिवार अपनी आवश्यकताओं को देखते हुए दो घर खरीदते थे उनके अनुमानित किराए पर पहले इनकम टैक्स देना पड़ता था अब इनकम टैक्स नहीं देना होगा। इसका मतलब क्या... मालूम नहीं, आपको इतना ही मालूम है जीएसटी का क्या हुआ, आपका कांटा जीएसटी में ही अटका हुआ है।

इसी तरह जो लोग पुराने घर के बदले पुराना घर बेच देते हैं, पैसे आते हैं उनको लगता है कि अब उस जगह पर है अच्छे पैसे मिल जाएंगे थोड़ी दूर जाएंगे तो सस्ते में घर मिल जाएगा। अब वो सोचते हैं बच्चे बड़े हो रहे हैं एक घर से नहीं चलेगा तो दो चाहिए तो एक घर ज्यादा कीमत में बेच करके बदले में दो छोटे नए घर बनाते हैं, खरीदना चाहते थे, अब उनको भी टैक्स में बहुत बड़ी राहत दी गई है। अब कैपिटल गेन्स टैक्स बचाने के लिए लोग घर की बिक्री से मिली रकम को एक की जगह दो घरों में लगा सकते हैं। अब तक घर की बिक्री से मिली रकम को साल भर के भीतर दूसरे घर को खरीदने पर कैपिटल गेन्स टैक्स छूट पहले एक घर पर मिलती थी वो दो घरों को मिलने वाली है। अब ये आपका काम है कि जहां पर आप पुराना बंगलों लेकर फ्लैट की स्कीम रखते हो उसको समझाओं... मुझे इस एडवाइज का कोई टैक्स नहीं लगेगा चिंता मत कीजिए।

साथियों, हर भारतीय के अपने घर के प्रति हमारे इसी आग्रह में आपसे जुड़े सेक्टर का भी उज्ज्वल भविष्य छुपा हुआ है। भारत में तेजी से न्यू मीडिल क्लास का दायरा बढ़ रहा है। देशवासियों के सपने और आकांक्षाएं अभूतपूर्व ऊंचाई पर हैं, इन सपनों की शुरुआत अपने घर से ही होती है। जिसका जिम्मा आप सभी के पास है।

सारे दुनिया के रिपोर्ट आपने पढ़े होंगे कि भारत में बहुत तेजी से लोग गरीबी से बाहर आ रहे हैं और जो न्यू मीडिल क्लास है उसके aspiration बहुत होते हैं। आप उसकी psycho और परिस्थिति को समझ करके अपनी स्कीम लेकर के जाओगे। मैं आपको कहता हूं, आपको मालूम होगा निरमा का उदाहरण... बड़ी-बड़ी multinational companies थीं उसने सस्ता साइकिल पर बेच करके ऐसा साबुन पाऊंडर बना दिया डिर्टजेंट उसने सारा मीडिल क्लास और लोअर मीडिल क्लास का मार्केट कब्जा कर लिया, multinational को चैलेंज कर दिया था। ये आपके लिए वक्त है कि अब आपकी स्कीम का

टारगेट ये न्यू मीडिल क्लास होना चाहिए। और अगर मेरी बिजनेस एडवाइज गलत निकले तो मेरे बैंक खाते में जो कुछ भी है वो आपका... मुझे मालूम है कि आपको interest नहीं है क्योंकि उसमें कुछ है ही नहीं।

आप उस न्यू मीडिल क्लास की aspiration को समझिए, अपनी मार्किट स्ट्रेटजी को, बिजनेस स्ट्रेटजी को उससे जोड़िए। मैं विश्वास से कहता हूँ कि आपकी दो साल, पांच साल पुरानी भी कंपनी क्यों न होगी आप दस बीस साल बाद उससे आगे निकल जाएंगे.. क्योंकि एक बहुत बड़ा मार्किट आपका इंतजार कर रहा है।

साथियों, आपमें से बहुत लोग हैं जो डेवलपर्स की अगली पीढ़ी है लिहाजा आप next generation की जरूरतों को भी समझते हैं। और नए भारत के नए संस्कारों को भी समझ सकते हैं। आप सभी के कंधे पर देश के रियल एस्टेट सेक्टर को नए भारत की आकांक्षाओं और संवेदनाओं के आधार पर बदलने की जिम्मेवारी है।

साथियों, केंद्र सरकार रियल एस्टेट सेक्टर में एक सार्थक बदलाव के लिए बीते साढ़े चार वर्षों के निरंतर कोशिश कर रही है। ease of doing business सुनिश्चित करने के साथ-साथ कुछ गलत परंपराओं को रोकने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। मैं समझता हूँ कि रियल एस्टेट को बीते कुछ दशकों में सबसे अधिक समस्या भरोसे की कमी से आई है। साढ़े चार वर्ष पहले तक स्थिति ये थी कि मध्यम वर्ग का परिवार घर पर पैसा लगाने से पहले सौ बार सोचता था हमने देखा है कि कैसे लाखों लोगों को अपने घर के लिए कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने पड़ते थे। खून-पसीने की कमाई कुछ लोगों की बेइमानी के कारण फंस गई थी।

साथियों, इसी भरोसे को फिर से लौटाने के लिए सिलसिलेवार अनेक तरीके से अनेक प्रयास किए गए। नोटबंदी का जो फैसला था उसका बहुत बड़ा लाभ रियल एस्टेट को ये हुआ कि जो गलत पैसे से भ्रष्टाचार की कमाई से यहां फलने-फूलने की सोच रहे थे उनके लिए रास्ते बंद हो गए। अब वही लोग इस सेक्टर में आगे बढ़ पाएंगे जो ईमानदारी से मुनाफे को ऊपर रख रहे हैं।

और मैं मानता हूँ कि जो पांच साल का आपका अनुभव है वो गुजरात वालों को 13 साल का अनुभव है.... मेरा, मेरे कामकाज का, मेरे कार्यकाल की विशेषता रही है, मेरे हर निर्णय को प्रारंभ में बहुत मुसीबतें झेलनी पड़ी है, हमेशा हुआ है क्योंकि मैं समय से थोड़ा पहले चल पड़ता था। और वहां समझ पहुंचने से पहले मुसीबत झेलता था। मैंने गुजरात में एक बार हमारे यहां किसान बिजली मांगते थे। मैंने बोला पहले तय करो किसान को बिजली चाहिए या पानी चाहिए। वो कह रहे थे पहले बिजली मुफ्त दो सब political पार्टियां दे रही है मैंने कहा कि वो जो कर रही है... कर रही है, मुझे बताओ बिजली चाहिए कि पानी चाहिए। आज तक मैंने कहा कि उन पालिटिशियनों ने बिजली का तार पकड़वा कर मरवा दिया है मैंने तुम्हें पानी पहुंचा करके जिंदा रखना चाहता हूँ। और आप हैरान हो जाएंगे, मेरे अपने साथी अनशन पर बैठ गए थे, मेरे अपने लोग हर गांव में पुतला जलाते थे। किसान की नाराजगी मोदी को कहां ले जाएगी, इस प्रकार की चर्चा थी। और चुनाव में मुझ पर दबाव था कि अगर आप बिजली माफ कर दीजिए, मैंने कहा मैं पानी के लिए सब कुछ करूंगा और आपको आश्चर्य होगा... शुरू में जो लोग मेरी बात को नहीं मानते थे, जब अनुभव करने लगे... आज वो भी इसके वकील बन गए हैं per drop more crop, drip irrigation, पानी बचाओ, पानी पहुंचाओ इसमें ऐसे लगे हैं कि एग्रीकल्चर ग्रोथ गुजरात में लगातार 10 प्रतिशत रहा जबकि गुजरात एग्रीकल्चर की दुनिया वाला गुजरात नहीं है वो तो desert भूमि है, समझने में देर लगती है.... आपको भी.... अभी नहीं समझ आया होगा, अभी भी आपको लगता होगा ये मोदी कितने दिन है... इकट्ठा करके रखो फिर कभी काम आएगा, कुछ बचने वाला नहीं है दोस्तों मैं बताता हूँ। और मुझमें हिम्मत है चुनाव सामने है आपके घर में आकर के आपको बात बताने की ताकत के साथ कह रहा हूँ।

देश के लिए कह रहा हूँ, हिन्दुस्तान की आने वाली पीढ़ी के लिए कह रहा हूँ, भारत के भविष्य के लिए कह रहा हूँ और इसलिए मुझे विश्वास है... अब आप देखिए बेनामी संपत्ति उस कानून से भी ईमानदारी की व्यवस्था को बल मिल रहा है।

साथियों, real-estate regulation act के माध्यम से ग्राहक और आपके बीच का भरोसा मजबूत बनाने में इस सरकार ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है अगर आप गहराई से उस बात को देखोगे तो आप इसे महसूस कर पाओगे। और मैं चाहूंगा कि आपके हाथ में इन सारी चीजों की वर्कशॉप हो, आपको एजुकेट किया जाए। कि आखिर इन निर्णयों ने आपकी ताकत, आपकी हैसियत कितनी बढ़ा दी है।

आज आप दुनिया के किसी भी देश में जाते हो, पहले भी जाते होंगे, आप तो छुट्टिया बाहर ही मनाते हो, आप थोड़ा ये व्हाइट पेपर है, जो टूरिज्म है उसमें आप जाते होंगे, पहले जो मिलता होगा, आप हाथ मिलाते होंगे, आपकी बात मैं जानता हूँ आप चिंता मत कीजिए। पहले आप विदेश में कहीं जाते होंगे, किसी से हाथ मिलाते होंगे, जरा अच्छी सी प्रसनेलिटी, बढ़िया सी जैकेट-वैकेट पहना होगा, टाई अच्छी होगी..... वो भी पहनी और जैसे ही कहां से आए हो, तो धीरे धीरे हाथ ढीला पड़ जाता होगा। और आज... आज जैसे ही कह दोगे इंडिया..... वो हाथ छोड़ता नहीं है आपका। ऐसा होता है कि नहीं होता है दुनिया में जहां जाते हैं आपका माथा ऊंचा रख सकते हैं कि नहीं रख सकते। दुनिया आपसे आंख मिला करके बात करने में उत्सुक है कि नहीं है। कैसे हुआ..... एक निर्णय प्रक्रिया होती है, एक कार्यशैली होती है, जिसका सीधा संबंध आपसे नहीं आता है। लेकिन उसका ईको इफेक्ट ऐसा होता है हर हिन्दुस्तानी की आन-बान-शान बढ़ जाती है। जो आज दुनिया में देख सकते हैं। और एक ऐसा इंसान जिसको चुनाव के पहले यही सवाल पूछा जाता था। आप अगर याद शक्ति ठीक हो तो देख लीजिए 2013-2014 के अखबार टीवी डिबेट देख लीजिए एक ही चर्चा थी...ये क्या करेगा आदमी। हिन्दुस्तान में इसको कौन जानता है। गुजरात के बाहर उसकी क्या पहचान है। और विदेश नीति में तो जीरो है जीरो। कुछ लोग तो ऐसे कहते थे वो चम्मच कांटा कैसे पकड़ना है ये भी इसको नहीं आता है... ये क्या करेगा। और तब मैंने कहा था ये बात सही है कि मेरे पास कोई अनुभव नहीं है। लेकिन मेरे जीवन में एक मंत्र है जो भी करूंगा देश के लिए करूंगा परिणाम मिला है कि नहीं मिला, मिला है कि नहीं मिला। यही ताकत है इन सारे निर्णयों से आपको भी परिणाम मिलेगा और इसलिए मैं कहता हूँ कि कभी इन निर्णयों को आपके अपने व्यवसाय के perspective में आपकी main team को एजुकेट करना चाहिए। उससे आपको पता चलेगा कि सरकारें ऐसे ही कानून नहीं बना देती, नियम नहीं बना देती है और मैं इन सारी प्रक्रियाओं से लोगों से पूछता हूँ, जुड़ता हूँ, समझता हूँ और उसी का परिणाम है कि धरती पर से हम बीज बोते हैं जो हम चाहते हैं वो उगा करके रखते हैं।

आज real estate regulatory authority यानि रेरा वाला कानून अभी जैसे बता रहे थे ये सब रेरा का पालन करने वाले लोग हैं। आप जक्सय की बात पर हंस रहे हैं। आपकी हंसी में भी मुझे कुछ समझ में आता है। लेकिन मैं इतना विश्वास करता हूँ कि आपके दिल में इरादा है उस मिशन में जाने का और इसके लिए मैं आपको अभिनंदन करता हूँ। मैं मानता हूँ अभी भी आपमें से कुछ लोगों के पैर कच्चे होंगे, हो सकता है लेकिन अब आपका मन पक्का हुआ होगा, पक्के जमीन पर पैर रखने का और मुझे उसी में विश्वास है। मैं बीते हुए कल पर गुजारा करने वाला इंसान नहीं हूँ। आने वाले कल के विश्वास पर नई इमारत खड़ी करने पर विश्वास करता हूँ। यानी रेरा 28 राज्यों में notify किया जा चुका है।

21 राज्यों में तो ट्रिबनल भी काम कर रहा है। आज देश भर में करीब 35 हजार रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स और 27 हजार रियल एस्टेट एजेंट्स इससे रजिस्टर्ड हो चुके हैं। इन प्रोजेक्ट के तहत लाखों नए फ्लैट्स निर्माण किए जा रहे हैं। इस बात से बहुत बड़ा लाभ क्या होगा। मैं आपको एडवाइज नहीं दे रहा हूँ। लेकिन अगर आप मुझे अपना मित्र बताते हैं, मानते हैं तो मैं कड़वी बात बोलना चाहता हूँ। बोलूँ अब प्रधानमंत्री के सामने कौन मना करेगा..... देखिए ये एक ऐसा फील्ड है आपका जो मुनष्य की जीवन की एक महत्वपूर्ण आंकाक्षा से जुड़ा हुआ है। यानी घर बनाना जीवन के अंत काल तक उसके

मन में रहता है। पहले ये घर बने फिर ये है तो अच्छा बने, फिर ये है तो अच्छा है तो बड़ा बने। फिर है ये तो बड़ा बने ये इसके साथ ये एक ऐसी व्यवस्था है जिसका कहीं अंत ही नहीं है। और उसके साथ आप जुड़े हुए हैं। ये आपको अंदाज है क्या....

आप वो लोग हैं, उस क्षेत्र में हैं जो सबसे अधिक लोगों को रोजगार देते हैं और सिर्फ जो इमारत बनाने में राज मिस्त्री काम करता है उसे मैं नहीं कह रहा हूँ अगर आप सीमेंट इस्तेमाल करते हैं तो वहां भी रोजगार मिलता है। आप स्टील का उपयोग करते हैं तो वहां भी रोजगार मिलता है। यानी वहां अगर एक अच्छी सोसाइटी बन गई वहां कोई माली लगा देते हैं तो उसको भी रोजगार मिल जाता है वहां पर अखबार डालने वाला आना शुरू हो जाता है तो उसको भी रोजगार मिलता है। दूध बेचने वाला.... यानी आप एक रोजगार के ईको सिस्टम को आप कैटेरिक एजेंट का काम करते हैं। इतना सारा करने वाले लोगों के लिए आप मुझे बताइए जितनी इज्जत होनी चाहिए, उतनी है क्या। क्यों चुप हो गए भई..... क्यों ऐसा हुआ.... कौन जिम्मेवार है। मैं आज भी मानता हूँ दोस्तों और आपकी भागीदारी ऐसे-ऐसे लोगों से है कि कोई आप पर हाथ डालता नहीं है, आपको सुधरने के लिए कहता नहीं हैं, और इसी लोगों ने आपको बरबाद किया है।

मैं मानता हूँ आपका ये जो प्रयास चल रहा है मैं जक्सय को बचपन से जानता हूँ और मुझे भरोसा भी है। आप ये जो प्रयास कर रहे हैं। मुझे सबसे बड़ी अपेक्षा क्या है आपसे मैं पहले गुजरात जो डायमंड इंडस्ट्री है उसके लोगों से बहुत बातें करता था तब मैं राजनीति में नहीं था। लेकिन मैं उनको कहता था अपनी छोटी उम्र में डायमंड कटिंग, पॉलिसिंग के लिए आए, अब एक्सपोर्ट बन गए, कंपनी के मालिक बन गए, पांच-पांच, दस-दस हजार करोड़ का आपका एक्सपोर्ट होता है, आपका बड़ा कारोबार चल रहा है लेकिन आपकी छवि क्यों बदलती नहीं है। ये मैं उनको लगातार पूछते था मैं आज से 20-25 साल पहले की बात बता रहा हूँ। ये बात मैं लगातार कहते-कहते और आप देखिए 25 साल पहले डायमंड से जुड़े लोगों की जो यानी कोई मकान किराए पर नहीं देता था मैं बताऊं... आप मानोगे नहीं इस बात को 25-30 साल पहले मकान किराए पर देने से पहले लोगों को लगता था कि पता नहीं वो.... आज कोई भी फंक्शन होगा तो मंच पर जो विशेष अतिथि होंगे तीन डायमंड वाले होते हैं। इज्जत कैसे बनी उन्होंने बिल्कुल सिस्टमैटिक प्रयास किया मैंने भी उनके साथ जुड़ा रहा, मैं मानता हूँ आपका क्षेत्र ऐसा है, आप पढ़े-लिखे हो जरूरी नहीं है, आप बहुत धनवान हो जरूरी नहीं है, आप एक ऐसी युवा पीढ़ी हो और मैं एक मित्र के रूप में बात कर रहा हूँ। मैं प्रधानमंत्री के रूप में नहीं कह रहा हूँ। आपकी priority होनी चाहिए इस क्षेत्र की प्रतिष्ठा, आपकी प्रतिष्ठा ये बहुत मायने रखती है दोस्तों, आप कुछ भी मकान कैसा बनाते हो, हो सकता है आपकी पहचान हो जाए... यार बहुत अच्छी स्कीम बनाई है, डिजाइन बहुत अच्छी थी, मैटेरियल बहुत अच्छा था दिखता बहुत अच्छा था, ये सब... अगर आप एक बार credibility बन जाए, आप देखिये क्या आसमान आपके सामने झुकना शुरू कर देगा। इतना बड़ा क्षेत्र, इतना बड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र उसकी एक सामाजिक प्रतिष्ठा, सामाजिक स्वीकृति कोई भी व्यक्ति जीवन में इतनी मेहनत करके बचाता है। तो पहले सोचता है बच्चों को पढ़ाई, बाद में सोचता है बच्चों की शादी हो जाए लेकिन उसके साथ-साथ सोचता है अपना एक घर हो जाए यानी अपनी पूरी जिंदगी आपके चरणों में डाल देता है। और उसमें जब धोखा होता है, धोखा एक करता है, मुसीबत सौ को झेलनी पड़ती है। अगर आप इस चुनौती को समझ करके उसका रास्ता खोजोगे.... आप देखिए बहुत बड़ा बदलाव आएगा।

साथियों, इसी तरह construction permit सहित तमाम दूसरी permission अब पहले की तुलना में तेजी से मिल रही है। जिसका परिणाम ये हुआ है। ease of doing business के ranking में देश ने 67 रैंक की छंलाग बीते साढ़े चार वर्ष में लगाई है।

दुनिया के लिए अचरज है इतना बड़ा देश, developing country ये इतना बड़ा jump लगा सकता है मुझे world bank के president ने एक दिन फोन किया। world bank का president फोन करे तो हो सकता है सरकारी कोई काम होगा, उन्होंने फोन मुझे इस बात के लिए किया कि मैं कल्पना नहीं कर सकता हूँ developing country जो इतना विशाल देश निर्धारित लक्ष्य में इतना तेजी से आगे बढ़ सकता है। उनके लिए surprise था। उन्होंने टीम को यहां मुझे अभिनंदन करने के लिए भेजा था, world bank की पूरी टीम आई थी। इन चीजों का लाभ अगर आप नहीं लेते हैं, तो देश का बहुत नुकसान होगा। और इसलिए मैं चाहता हूँ कि मौका छोड़िए मत जी।

जीएसटी ने भी रियल एस्टेट के कारोबार को developers और ग्राहक, दोनों के लिए बहुत आसान किया है। आप जानते हैं कि पहले construction sector पर 15 से 18 पर्सेंट का टैक्स लगता था, ऊपर से जो सामान है- जैसे, पेंट, टाइलें, टाइलें होती हैं, टॉयलेट होता है, शावर होता है, केबल होता है, वायर होता है, ऐसी तमाम चीजों पर 30 प्रतिशत से ज्यादा टैक्स लगा करता था।

साथियो, जीएसटी के लागू होने के बाद मध्यम वर्ग के घरों के लिए तो टैक्स 8 प्रतिशत और दूसरे घरों के लिए 12 प्रतिशत; commercial property पर भी टैक्स बहुत कम हुआ है। इसी तरह construction material पर भी जीएसटी को बहुत कम किया गया है। पेंट, वायर, इलेक्ट्रिकल फिटिंग से जुड़ा सामान, सेनेटरी वेयर, प्लाईवुड, टाइल जैसे अनेक सामान पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत लाया गया है; वहीं ईंटों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है। नहीं बजेगी ताली, मुझे मालूम है। मैं सुनाने नहीं आया हूँ, मैं आपको समझाने आया हूँ। और मुझे इतना काफी है कि क्या चल रहा है।

साथियो, आज सभी मध्यम वर्ग के लिए सही कीमत पर अच्छे घर बना पाएं, इसके लिए इनकम टैक्स में भी छूट दी गई है। साल 2016 में सेक्शन 80आईबीए जोड़ा गया था, जिसके तहत affordable housing project के profit में शत-प्रतिशत deduction का प्रावधान किया गया। अब ऐसे projects को पूरा करने की समय अवधि को भी तीन वर्ष से पांच वर्ष किया गया है। इसी वर्ष affordable housing project के approval के लिए टाइम पीरियड को 31 मार्च, 2019 की बजाय एक साल यानी 31 मार्च, 2020 तक कर दिया गया है। Unsold inventory की समस्या को ध्यान में रखते हुए national rental income पर अब दो वर्ष तक टैक्स नहीं लिया जाएगा। ऐसे अनेक प्रावधान मध्यम वर्ग के घरों को बल देने के लिए बीते साढ़े चार वर्ष से किए जा रहे हैं।

साथियो, रियल एस्टेट और housing sector के लिए धन की कमी न हो, इसके लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। दो वर्ष पहले ही real estate यानी infrastructure investment trust को debt market से फंड जुटाने की permission दी गई थी, ऐसे ट्रस्टों को 2017 से ही dividend distribution tax से छूट दे दी गई है। Housing finance कम्पनियों को विदेशों से फंड जुटाने में आसानी हो, इसके लिए sectoral remittance को भी पिछले वर्ष हटा दिया गया है।

साथियो, ये तमाम प्रयास मध्यम वर्ग के घरों को, infrastructure को गति देने के लिए तो किए ही जा रहे हैं, साथ में रोजगार निर्माण को भी इनसे बल मिला है। इस सेक्टर में करोड़ों साथी काम कर रहे हैं जो अधिकतर unorganized sector का हिस्सा हैं। घर के निर्माण में जुटे इन परिवारों के लिए सरकार एक बहुत बड़ी योजना इस बजट में लाई है। अब 15 हजार रुपये महीना से कम कमाने वाले इन साथियों को 60 साल के बाद 3000 रुपये तक की पेंशन तय है। इस योजना से जुड़ने के लिए इन श्रमिक साथियों को एवरेज hundred rupees हर महीने जमा करने होंगे और उतने ही पैसे केन्द्र सरकार उनके पेंशन खाते में जमा करेगी।

साथियों, मेरा आप सबसे आग्रह है कि आप आपके बिजनेस को देश के मध्यम वर्ग के सपनों को पूरा करने वाले साथियों का भी आप अवश्य ध्यान रखें। आप इनको इस पेंशन योजना से जोड़ने के लिए अपनी तरफ से भी योगदान दें। मैं समझता हूँ इसी तरह आप ये भी देखेंगे कि आपके ये साथी प्रधानमंत्री जीवन-ज्योति बीमा योजना और सुरक्षा बीमा योजना से अवश्य जुड़े हैं। ये देखना चाहिए, 90 पैसों का इंश्योरेंस है जी। कभी-कभी एक मित्र के साथ बात करते-करते गाड़ी चालू रखते हैं तो फालतू में आप इतने का पेट्रोल जला देते हैं।

अगर आप अपने साथियों का इतना सा कर लें; उसके जीवन में कोई संकट आएगा तो दो-दो लाख रुपये के इंश्योरेंस उसके परिवार को कितनी बड़ी ताकत दे देते हैं जी। हजारों करोड़ रुपये ऐसे परिवारों को पहुंच चुके हैं, इस योजना से; करोड़ों परिवार इससे जुड़े हैं। आप देखिएगा, आपके यहां कोई गरीब परिवार, उसको इसका ज्ञान है क्या। आप उसको फायदा दिलवाइए। सरकार देने के लिए तैयार है। ये प्रयास सामाजिक दायित्वों को लेकर आप जो काम कर रहे हैं, उनको और नया विस्तार देंगे जी। मुझे बताया गया है कि आप गरीब बच्चों की शिक्षा और skill development से लेकर स्वच्छ भारत अभियान तक अपना योगदान दे रहे हैं, मैं इसके लिए आपको हृदय से बहुत बधाई देता हूँ।

साथियों आप जैसे next generation leaders ही न्यू इंडिया को सेफ करने वाले हैं। आपके नए विचार, आपके सामर्थ्य के बल पर ही मैं बड़े और मुश्किल लक्ष्य रख पाता हूँ। ये आपकी मजबूती के कारण मैं कर पा रहा हूँ। और मुझे विश्वास है ये मजबूती देश को और मजबूत बनाने के लिए आगे भी काम आने वाली है, ये मेरा विश्वास है। मुझे विश्वास है कि घरों को और affordable कैसे बनाया जाए, इसको लेकर इस कार्यक्रम में गंभीर मंथन होगा और नए ideas सामने आएंगे। विशेष तौर पर housing sector में sustainable development और innovative technology का अधिक उपयोग कैसे हो, इसके बारे में चर्चा जरूरी है।

Green और clean energy, energy efficiency, water conservation, construction material का reuse और अपार्टमेंट्स में आधुनिक waste management system को बढ़ावा देना भी आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, construction के लिए नई technology का प्रभावी और व्यापक इस्तेमाल भी जरूरी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 12 लाख घरों का निर्माण नई technology के माध्यम से किया जा रहा है। हाउसिंग सेक्टर में इस technology को विस्तार देने से construction cost तो कम होगी ही, घरों का निर्माण भी तेजी से होगा। दुनिया की best housing technology की पहचान करने के लिए global housing technology challenge से जुड़ी conference भी अगले महीने यहां दिल्ली में आयोजित की जा रही है। आप सभी इस challenge का हिस्सा बन सकते हैं।

साथियों, आपसे देश को अपने घर का सपना संजोए हर सामान्य मानवी को बहुत आशाएं हैं। आप इन आशाओं पर खरे उतरेंगे, इसी विश्वास के साथ मैं आज आपको बहुत कुछ बताता रहता था, लेकिन मैं कुछ और बातें भी जोड़ना चाहता था। मैं अभी पूछ रहा था जक्सय को कि आपके यहां इतने सारे नौजवान हैं, कोई competition वगैरह होता है क्या? तो उन्होंने कहा, नहीं अभी तो हमने सोचा नहीं है। मैं आपको एक विचार देता हूँ- क्या CREDAI संस्था construction की दुनिया में जो technology में innovation करे, ऐसे innovation करने वाले कुछ startups हों, यहां आपके यहां जो काम करने वाले लोग हैं, उन्होंने अपने तरीके से कुछ नया किया हो, कोई climate के संदर्भ में अपने construction की दुनिया को आगे बढ़ाता हो, कुछ जो pro- environment हो। आपके यहां ऐसे लोग हों जो waste में से best बनाने की तकनीक को प्रयोग करते हों और ऐसे-ऐसे waste का उपयोग करके construction के काम में लाते हों। Waste में से wealth create करते हों। ऐसे तरीके जो आप

ही के क्षेत्र से जुड़े हुए हों, इनको जोड़ने की, innovations की, new practices की competition करके, ऐसे जब आपके event हों, उसमें एक ज्यूरी बना करके ऐसे लोगों को प्राइज देने की कल्पना सोचनी चाहिए।

दूसरा एक काम- और मैं मानता हूँ शायद आपको अच्छा लगेगा, क्योंकि आपके यहां भी जरूर women organization है, लेकिन वो शायद actually इस फील्ड में काम करने वाले women हैं, उनका organization है, लेकिन ज्यादातर ऐसे organization हों तो उनकी पत्नियां या परिवार के लोग कुछ संगठनों में होते हैं। हो सके तो ऐसा एक और संगठन बनाना चाहिए जिसमें आपके परिवार की महिलाएं हों, जो बिजनेस में नहीं हैं, लेकिन अपने घर काम करती हैं, घर संभालती हैं। मैंने एक प्रयोग किया था, जब मैं गुजरात में था, मुख्यमंत्री था। हमने झुग्गी-झोंपड़ी की जगह पर फ्लैट बनाए, बहुत बड़ी मात्रा में काम किया था। लेकिन मैं अनुभव कर रहा था, साइकलोजिकल, आपने बहुत पहले एक मूवी देखा होगा, मैंने देखा था- मुझे नाम याद नहीं रहा- लेकिन आपको याद आ जाएगा। कमल हसन उसमें कलाकार थे और वो कहीं झोंपड़ी में रहते थे, बगल में रेलवे जाती थी तो उनको वो गाड़ी की आवाज से नींद आती थी। अब उनका घर बदल गया तो उनको अब गाड़ी की आवाज बंद हो गई तो नींद नहीं आ रही थी। तो उन्होंने टैप किया गाड़ी का आवाज और रात को टैप चला करके वो सोते थे तो गाड़ी की आवाज से नींद आती थी।

कहने का मतलब है कि जो गरीबी में जिंदगी गुजारता है, वो जब नए मकान में जाता है तो वो अपने-आपको एडजस्ट नहीं कर पाता है। अगर उसको उचित समय पर guidance मिल जाए, उसकी ट्रेनिंग हो जाए तो उसका जीवन बदल जाएगा; दीवारें बदलने से जीवन नहीं बदलता। उसके लिए मैंने एक एनजीओ से बात की और किया क्या- ये जो गरीब परिवार के लोगों को जो पक्के घर मिले तो मैंने उनकी परिवारों की ट्रेनिंग शुरू करवाई- टॉयलेट का उपयोग कैसे करें, उनको मालूम नहीं था, वो सोचते थे ये है क्या- पहले तो वहीं से पूछते थे क्योंकि देखा नहीं था। और मैं बताऊं- हमारे देश में ऐसी बहुत सी बातें हैं जो हमें सुनते भी आश्चर्य होता है क्योंकि हमने उस जिंदगी को जिया नहीं है जी, हमें पता नहीं है। तो उनको सिखाया गया, ये टॉयलेट होता है, ऐसे उपयोग करते हैं। नल को ऐसे करना, बंद करना, ढिंंगना करना; खिड़की है- एक तो शीशे वाली खिड़की है तो क्या करोगे। पुरानी साड़ी है- चलो परदा बना देते हैं। आपके घर में कोई आएगा तो पैर पोंछकर आना चाहिए- अच्छा चलो पुराना घर में कोई थैली-वैली है तो उसमें से अपना कोई बना देते हैं। ऐसी चीजों का एक एनजीओ के द्वारा मैंने ट्रेनिंग शुरू किया। तीन हफ्ते वो लगाते थे, उनका confidence इतना बदल गया कि फिर वो पैसे बचाने लगे, फिर एकाध प्लास्टिक की चेयर ले आए, फिर एक दरी ले आए, परदा ठीक करने; उनको जीवन जीने का आनंद आने लगा। फिर उनका मन कर गया रेडियो लाएंगे, टीवी लाएंगे।

अगर आप मकान बनाने की योजना के साथ-साथ अपने ही परिवारजनों का कोई एनजीओ बना करके, ये बाद में जीना कैसे- जीना कहाँ हो गया, अब जीना कैसे, ये एक आप अगर one step आगे चले जाएं, उन परिवारों की ट्रेनिंग करें, जीना सिखाएं उनको- आप देखिए, आपको इस मकान बनाने से ज्यादा उसकी बदली हुई जिंदगी आपके जीवन को सबसे ज्यादा संतोष देगी, सबसे ज्यादा खुशी देगी।

ऐसी कुछ innovative चीज आप करेंगे और आप युवाजन हैं, चीजों को रिसीव करने की आपकी ताकत ज्यादा होती है और मेरा दिमाग बड़ा युवा है। मैं बहुत तेजी से दौड़ने वाला और करने वाला इंसान हूँ और इसलिए मेरा-आपका matching बहुत जल्दी हो जाता है; मुझे कुछ दूरी महसूस नहीं होती है। न मुझे पद की दूरी होती है, न ही उम्र की दूरी होती है, न मेरे background की दूरी होती है। दिल में एक ही आग होती है- आपसे मिलूं, आपसे बात करूं, आपके लिए सोचूं, आपके साथ काम करूं, मिल करके देश के लिए काम करूं।

इसी एक भावना के साथ मैं फिर एक बार आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ और जिस कलाकार ने मुझसे भी ज्यादा मुझे सुन्दर बना करके चित्र बनाया है, उस कलाकार को बहुत-बहुत बधाई। मैंने जक्सन से कहा है कि उसका मुझे address देना, मैं जरूर उस साथी को चिट्ठी लिखूंगा, जिसने इस प्रकार से अपना काम किया।

मैं फिर एक बार आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ। मैंने जो बातें बताई हैं, देश के संदर्भ में बताई हैं- आपको अच्छी लगे ले जाना, बुरी लगे मेरे लिए छोड़ जाना। मैं ठीक से उसको ठीकठाक करूंगा, फिर परोसने आऊंगा।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

अतुल तिवारी/शाहबाज़ हसीबी/बाल्मीकि महतो/ममता साहनी/निर्मल शर्मा

(रिलीज़ आईडी: 1565975) आगंतुक पटल : 51

प्रधानमंत्री कार्यालय

आईआईटी मद्रास के दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री के भाषण का मूलपाठ

प्रविष्टि तिथि: 30 SEP 2019 4:00PM by PIB Delhi

तमिलनाडु के राज्यपाल श्री बनवारीलाल पुरोहित जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री इडाप्पडी के. पलानीस्वामी जी, मेरे सहयोगी, श्री रमेश पोखरियाल निशंक जी, उप मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम जी, आईआईटी मद्रास के अध्यक्ष, शासक मंडल के सदस्य, इस महान संस्थान के निदेशक, शिक्षक गण, विशिष्ट अतिथिगण और स्वर्णिम भविष्य के कगार पर खड़े मेरे नौजवान मित्रों, आज यहां मौजूद रहना मेरे लिए अपार हर्ष की बात है।

मित्रों,

मेरे सामने लघु-भारत और नए भारत का उत्साह दोनों मौजूद हैं। यहां ऊर्जा, जीवंतता और सकारात्मकता है। अब जबकि मैं आपको डिग्री प्रदान कर रहा हूं, मैं आपकी आंखों में तैरते भविष्य के सपनों को देख सकता हूं। मैं आपकी आंखों में भारत के भाग्य को देख सकता हूं।

मित्रों,

उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के अभिभावकों को मैं बधाई देता हूं। उनके गर्व और हर्ष की कल्पना कीजिए। उन्होंने आपको जीवन के इस मुकाम तक लाने के लिए संघर्ष किया है, त्याग किए हैं। उन्होंने आपको पंख प्रदान किए, ताकि आप उड़ान भर सकें। आपके शिक्षकों की आंखों में भी गर्व की झलक है। अपने अथक प्रयासों की बदौलत उन्होंने केवल अच्छे इंजीनियर ही नहीं, बल्कि अच्छे नागरिक भी तैयार किए हैं।

मैं सहायक स्टाफ की भूमिका पर भी प्रकाश डालना चाहता हूं। पर्दे के पीछे रहने वाले ये लोग खामोशी से आपका भोजन पकाते हैं, आपके क्लास रूम्स को साफ रखते हैं, छात्रावासों को साफ रखते हैं। आपकी कामयाबी में उनकी भी भूमिका है। आगे बढ़ने से पहले, मैं अपने विद्यार्थी मित्रों से अनुरोध करूंगा कि वे अपने स्थान पर खड़े हों और अपने अध्यापकों, माता-पिता और सहायक स्टाफ का उत्साहपूर्वक अभिनंदन करें।

मित्रों,

यह एक विलक्षण संस्था है। मुझे बताया गया है कि यहां पर्वत चलते हैं और नदियां स्थिर रहती हैं। हम तमिलनाडु राज्य में हैं, जो एक विशिष्ट स्थल है। यह दुनिया की प्राचीनतम भाषाओं में से एक - तमिल का घर है और यह भारत की नवीनतम भाषाओं में से एक - आईआईटी-मद्रास भाषा - का घर है। यहां काफी कुछ ऐसा है, जिसकी कमी आपको महसूस होगी। आप निश्चित रूप से सारंग और शास्त्र की कमी महसूस करेंगे। आप अपने विंग के साथियों की कमी महसूस करेंगे। और कुछ ऐसा है, जिसकी कमी आप महसूस नहीं करेंगे। खासतौर पर, आप अब बिना किसी हिचकिचाहट के टॉप क्वालिटी फुटवियर खरीद सकेंगे।

मित्रों,

आप सचमुच भाग्यशाली हैं। आप एक ऐसे दौर में इस बेहतरीन कॉलेज से विद्या अर्जित करके निकल रहे हैं, जबकि विश्व भारत को विलक्षण अवसरों की धरती के रूप में देख रहा है। मैं हाल ही में अमरीका की सप्ताह भर की यात्रा के बाद स्वदेश लौटा हूँ। इस यात्रा के दौरान, मैंने अनेक राष्ट्राध्यक्षों, प्रमुख उद्योगपतियों, नवोन्मेषकों, उद्यमियों, निवेशकों से मुलाकात की। हमारी चर्चाओं में एक बात सामान्य थी। वह थी- नए भारत के बारे में आशावाद और भारत के नौजवानों की योग्यताओं में विश्वास।

मित्रों,

भारतीय समुदाय ने दुनिया भर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। खासतौर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में। इन क्षेत्रों को बल कौन प्रदान कर रहा है? उनमें से अधिकांश आईआईटी के आपके वरिष्ठ साथी हैं। इस तरह, आप वैश्विक स्तर पर ब्रांड इंडिया को मजबूत बना रहे हैं। इन दिनों में, मैं यूपीएससी परीक्षा पास करने वाले युवा अधिकारियों से मुलाकात कर रहा हूँ। अनेक आईआईटी स्नातक आपको और मुझे दोनों को हैरान कर देंगे! इस तरह आप भी भारत को ज्यादा विकसित स्थान बनाने में योगदान दे रहे हैं। और कारपोरेट जगत में जाने पर आप अनेक ऐसे लोग मिलेंगे, जिन्होंने आईआईटी में पढ़ाई की है। इस प्रकार, आप भारत को ज्यादा समृद्ध बना रहे हैं।

मित्रों,

मैं देख रहा हूँ कि 21वीं सदी की बुनियाद तीन स्तम्भों - नवाचार, टीमवर्क और प्रौद्योगिकी पर टिकी है। इनमें से प्रत्येक एक-दूसरे को पूर्णता प्रदान करता है।

मित्रों,

मैं अभी-अभी सिंगापुर-भारत हैकाथॉन से लौटा हूँ। वहां भारत और सिंगापुर के नवोन्मेषी मिल-जुल कर काम कर रहे हैं। वे समान चुनौतियों के समाधान तलाश रहे हैं। उन सभी ने अपनी ऊर्जाएं एक दिशा में समर्पित कर दी हैं। ये नवोन्मेषी अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आए हैं। उनके अनुभव अलग-अलग हैं। लेकिन वे सभी मिलकर ऐसे समाधान तलाश रहे हैं, जो केवल भारत और सिंगापुर के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के लिए मददगार होंगे। यह नवाचार, टीमवर्क और प्रौद्योगिकी की शक्ति है। यह केवल चुनिंदा लोगों को ही लाभ नहीं पहुंचाती, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को लाभ पहुंचाती है।

आज, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखता है। आपका नवाचार, महत्वाकांक्षा और प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग इस सपने को ईंधन प्रदान करेगा। यह सबसे प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था में भारत की लम्बी छलांग का आधार बनेगा।

मित्रों,

आईआईटी मद्रास इस बात का एक प्रमुख उदाहरण है कि किस प्रकार एक दशक पुराना संस्थान अपनी 21 वीं सदी की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने आप को बदल सकता है। कुछ समय पहले, मैंने इस संस्थान के कैम्पस में स्थित अनुसंधान पार्क का दौरा किया था। यह पार्क देश में इस तरह का पहला प्रयास है। मैंने आज एक बहुत जीवंत स्टार्ट-अप परास्थितिकी तंत्र देखा है। मुझे बताया गया था कि अभी तक यहां से लगभग 200 स्टार्ट-अप जुड़ चुके हैं। इनमें से कुछ को देखना मेरा सौभाग्य था। मैंने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, हेल्थ केयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य बहुत से प्रयासों को देखा। इन सभी स्टार्ट-अप को विशिष्ट भारतीय ब्रांडों का सृजन करना चाहिए जो भविष्य में विश्व बाजारों में अपना स्थान बना सकें।

मित्रों,

भारत का नवाचार अर्थशास्त्र और उपयोगिता का एक बड़ा मिश्रण है। आईआईटी मद्रास का जन्म इसी परम्परा में हुआ है। यहां छात्र और अनुसंधानकर्ता कठिन से कठिन समस्याओं का ऐसा समाधान खोजते हैं जो सभी के लिए सुलभ और व्यावहारिक हो। मुझे बताया गया है कि यहां छात्र स्टार्ट-अप के साथ इंटरन हैं और अपने कमरे से कोड लिखते हैं और लगातार मेहनत करते हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में नवाचार की भावना और उत्कृष्टता हासिल करने का काम आगे भी जारी रहेगा।

मित्रों,

हमने अनुसंधान और देश के विकास को बढ़ावा देने के लिए नवाचार हेतु एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन करने के लिए काम किया है। मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, अति आधुनिक प्रौद्योगिकी अब सभी स्कूलों में छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। हम पूरे देश में अटल टिंकरिंग लैब्स बनाने के लिए भी काम कर रहे हैं।

एक बार जब छात्र आपकी तरह किसी संस्थान में आते हैं और नवाचारों पर काम करना चाहता है। उनके लिए अनेक संस्थानों में अटल इन्क्यूबेशन सेंटर बनाए जा रहे हैं, जो आपकी सहायता करेंगे। अगली चुनौती बाजार खोजने और एक स्टार्ट-अप विकसित करने की है। स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम इस चुनौती से निपटने में आपकी मदद करने के लिए बनाया गया है। यह कार्यक्रम बाजार में रास्ता खोजने के लिए नवाचारों की मदद करेगा। इसके अलावा देश में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए हमने प्रधानमंत्री रिसर्च फेलो स्कीम बनाई है।

मित्रों,

यह भारत के अथक प्रयास का ही परिणाम है कि देश तीन शीर्ष स्टार्ट-अप अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र में से एक है। आप जानते हैं कि स्टार्ट-अप में भारत की प्रगति का सबसे अच्छा हिस्सा कौन सा है? इस प्रगति में टियर-2, टियर-3 शहरों और यहां तक कि ग्रामीण भारत का भी योगदान है। स्टार्ट-अप्स की दुनिया में आप जिस भाषा में बात करते हैं उसका इतना महत्व नहीं है जितना आप द्वारा कोड की गई भाषा का है। आपके उपनाम की शक्ति भी इसमें कोई मायने नहीं रखती है। आप के पास अपने नाम का सृजन करने का अवसर है। यहां आपकी योग्यता ही मायने रखती है।

मित्रों,

क्या आपको याद है कि जब आपने आईआईटी की पहली बार तैयारी शुरू की थी? याद कीजिए उस समय ये चीजें कितनी कठिन दिखती थीं। लेकिन आप ने कड़ी मेहनत करके असंभव को संभव कर दिखाया है। आज आपके लिए अनेक अवसर प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो सभी आसान नहीं हैं। आज जो असंभव दिखाई दे रहा है वह आपकी पहुंच वाले पहले कदम की ही प्रतीक्षा कर रहा है। चीजों को कई चरणों में तोड़ लेना चाहिए। जब आप एक के बाद दूसरा कदम बढ़ाते हैं तो आप देखेंगे कि समस्याएं एक-एक करके सुलझ रही हैं। मानवीय प्रयासों की सुंदरता संभावनाओं में निहित है। इसलिए कभी भी सपने देखना बंद न करें और अपने आप को चुनौती देते रहें। इस तरह आप विकसित होते रहेंगे और स्वयं के एक बेहतर संस्करण बन जाएंगे।

मित्रों,

मुझे पता है कि जब आप इस संस्थान से बाहर निकलते हैं, तो आपके लिए शानदार अवसर प्रतीक्षारत होते हैं। उनका उपयोग करें। हालाँकि, मेरा आप सभी से यह अनुरोध है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां काम करते हैं, आप कहीं भी रहें, अपनी मातृभूमि, भारत की जरूरतों को ध्यान में रखें। यह सोचें कि आपका काम, नवाचार और आपका अनुसंधान एक भारतीय की मदद कैसे कर सकता है। न केवल यह आपकी सामाजिक ज़िम्मेदारी है, बल्कि इससे आपको बहुत व्यवसायिक समझ भी उपलब्ध होती है।

क्या आप हमारे घरों, कार्यालयों, उद्योग में उपयोग किए गए पानी को रिसाइकिल करने के लिए सस्ते और नवाचारी तरीकों का पता लगा सकते हैं ताकि हमारे ताजे पानी की निकासी और उपयोग कम हो सके। आज एक समाज के रूप में हम सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त होना चाहते हैं। इसका पर्यावरण के अनुकूल क्या प्रतिस्थापन हो सकता है जिसका प्लास्टिक की तरह उपयोग हो सके लेकिन उसके प्लास्टिक की तरह नुकसान न हों। हम इस बारे में आप जैसे युवा नवाचारों की ओर देख रहे हैं।

निकट भविष्य में अधिकांश जनसंख्या को प्रभावित करने वाली अनेक बीमारियां पारंपरागत संक्रामक बीमारियां नहीं होंगी। हाइपर टेंशन, टाइप-2 डायबिटीज, मोटापा, तनाव जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां होंगी। डेटा विज्ञान के क्षेत्र में परिपक्वता और इन बीमारियों का डेटा होने से प्रौद्योगिकीविद इनमें पैटर्न खोजने के तरीके का पता लगा सकते हैं।

जब तकनीक डेटा साइंस, डायग्नोस्टिक्स, व्यवहारिक विज्ञान और मेडिसिन से युक्त होता है तो दिलचस्प जानकारीयां सामने आ सकती हैं। क्या ऐसी चीजें हैं जो इन बीमारियों का प्रसार रोक सकती हैं? क्या ऐसे पैटर्न हैं जिनसे हमें सावधान रहने की आवश्यकता है? क्या प्रौद्योगिकी इन सवालों का जवाब दे सकती है? क्या आईआईटी के छात्र इन प्रश्नों का हल खोज पाएंगे?

मैं फिटनेस और स्वास्थ्य सेवा के बारे में बात करता हूं, क्या आप जैसे सफल व्यक्ति अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करने का जोखिम उठा सकते हैं क्योंकि आप हमेशा काम में डूबे रहते हैं। मैं आप से व्यक्तिगत फिटनेस पर ध्यान केंद्रित करके और स्वास्थ्य देखभाल में नवाचार को आगे बढ़ाकर फिट इंडिया मूवमेंट में सक्रिय भागीदार बनने का अनुरोध करता हूं।

मित्रों,

हमने देखा है कि दो प्रकार के लोग होते हैं, वे जो जीते हैं और दूसरे वे जो केवल विद्यमान रहते हैं। अब यह आपको तय करना है, क्या आप अस्तित्व में ही रहना चाहते हैं या आप पूरी तरह से जीवन जीना चाहते हैं? एक्सपायरी डेट वाली दवा की एक बोतल पर विचार करें जिसकी एक्सपायरी डेट गुजरे भी एक वर्ष हो चुका है। बोतल मौजूद है। शायद पैकिंग भी आकर्षक लग रही है। उसके अंदर दवा अभी भी मौजूद है, लेकिन उसका क्या उपयोग है, जीवन जीवन्त और उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए और एक संपूर्ण जीवन जीने के लिए सबसे अच्छा नुस्खा है जानना, सीखना, समझना और दूसरों के लिए जीना।

विवेकानंद ने ठीक ही कहा कि दूसरों के लिए जीने वाले विरले ही होते हैं।

मित्रों,

आपका दीक्षांत समारोह आपके इस अध्ययन के वर्तमान पाठ्यक्रम के समापन को दर्शाता है। लेकिन यह आपकी शिक्षा का अंत नहीं है। शिक्षा और शिक्षण एक सतत प्रक्रिया है। जब तक हम जिंदा हैं, हम सीखते हैं। मैं एक बार फिर आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं, जो मानवता की भलाई के लिए समर्पित है। धन्यवाद। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

आर.के.मीणा/आरएनएम/एम/आईपीएस/आरके/सीएस/पीबी-3465

(रिलीज़ आईडी: 1587400) आगंतुक पटल : 103

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Marathi , Bengali , Punjabi , Gujarati , Tamil , Kannada

प्रधानमंत्री कार्यालय

लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी के शिलान्यास समारोह में पीएम के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 25 DEC 2019 5:00PM by PIB Delhi

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी, केन्द्रीय मन्त्रिपरिषद् के मेरे वरिष्ठ सहयोगी और इसी धरती के प्रतिनिधि श्रीमान राजनाथ सिंह जी, यहां की यशस्वी मुख्यमंत्री श्रीमान योगी आदित्यनाथ जी, उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद जी, दिनेश शर्मा जी, विधानसभा के अध्यक्ष महोदय श्रीमान नारायण दीक्षित जी, यूपी सरकार के मंत्रिगण, यूपी के सांसद गण और उपस्थित देवियों और सज्जनों।

लखनऊ के सांसद ने मेरा स्वागत किया, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने स्वागत किया, तो काशी का सांसद धन्यवाद कहता है। आज मेरा सौभाग्य है कि महत्वपूर्ण दूसरे कार्यक्रम में मुझे आने का अवसर मिला है और दोनों कार्यक्रम में मुझे अटल बिहारी वाजपेयी जी को वंदन करने का, उनके vision को सम्मान करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

यहां आने से पूर्व मैं दिल्ली में अटल जल योजना का शुभारंभ कर रहा था। 6 हजार करोड़ रुपये की इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश सहित देश के 7 राज्यों में भूजल के स्तर को सुधारने के लिए काम किया जाएगा।

इसके साथ ही आज हिमाचल को लद्दाख से जोड़ने वाली रोहतांग सुरंग का नाम भी अटल टनल के नाम पर किया गया है।

ये भी संयोग है कि आज सुशासन दिवस के रूप में हम मना रहे हैं, तब यूपी का शासन जिस भवन से चलता है, वहां अटल जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया है। उनकी ये भव्य प्रतिमा, लोकभवन में कार्य करने वाले लोगों को सुशासन की, लोकसेवा की निरंतर प्रेरणा देती रहेगी।

साथियों, इसके अलावा अटल जी को समर्पित अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी का शिलान्यास किया गया है। जो लखनऊ, बरसों तक अटल जी की कर्म भूमि रहा, अटल जी की संसदीय सीट रही हो, और वहां आकर, शिक्षा से जुड़े, स्वास्थ्य से जुड़े संस्थान का शिलान्यास करना, जिसको भी अवसर मिलेगा, वो जीवन में इसे अपना सौभाग्य मानेगा, मेरे लिए भी आज ये सौभाग्य के पल हैं।

जब अटल जी यहां से सांसद थे, तब उन्होंने यहां विकास की अनेक परियोजनाओं पर काम शुरू करवाया था। रिंग रोड का काम हो, पुराने लखनऊ में ड्रेनेज सिस्टम हो, यहां के एयरपोर्ट का आधुनिकीकरण हो, वाल्मीकी अंबेडकर आवास योजना हो, बायोटेक पार्क हो, लखनऊ को नई पहचान देने वाले सैकड़ों काम अटलजी ने किए थे। अब सांसद के तौर पर श्रीमान राजनाथ जी, इस विरासत को संभाल रहे हैं, संवार भी रहे हैं।

साथियों, अटल जी कहते थे, कि जीवन को टुकड़ों में नहीं देखा जा सकता, उसको समग्रता में देखना होगा। ये बात सरकार के लिए भी उतनी ही सत्य है, और Good Governance के लिए भी, सुशासन के लिए भी यही उपयुक्त मानदंड है।

सुशासन भी तभी तक संभव नहीं है, जब तक हम समस्याओं को संपूर्णता में, समग्रता में न सोचेंगे, न उसे सुलझाने का प्रयास करेंगे। मुझे संतोष है कि योगी जी की सरकार भी समग्रता की इस सोच को साकार करने का भरसक प्रयास कर रही है।

अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी उसी सोच को परिलक्षित करती है। ये यूनिवर्सिटी यूपी में मेडिकल की पढ़ाई और उसको समग्रता देगी, संपूर्णता देगी और पाठ्यक्रम से ले करके परीक्षा तक इसमें एकसूत्रता होगी, एकरूपता होगी और स्वाभाविक एकात्मक भाव होगा।

मेडिकल कॉलेज हो, डेंटल कॉलेज हो, पैरामेडिकल कॉलेज हो, नर्सिंग हो, चिकित्सा से जुड़े हर कोर्स, हर डिग्री हो, आप इसी की देखरेख में ये विश्वविद्यालय इस सारी व्यवस्थाओं को, विद्याओं को आगे बढ़ाएगा।

सरकारी हो, अर्धसरकारी हो या निजी मेडिकल संस्थान हो, सभी की Affiliation इसी यूनिवर्सिटी से अब होने वाली है। एक समान शैक्षणिक सत्र कैलेंडर लागू होगा, परीक्षाएं तय समय पर होंगी, पारदर्शी तरीके से होंगी। इस यूनिवर्सिटी के बनने से यूपी में मेडिकल की पढ़ाई की कालिटी में और भी सुधार आने वाला है।

साथियों, यूपी सहित पूरे देश के हेल्थ सेक्टर के विकास के लिए हमारा विजन और डायरेक्शन दोनों पहले ही दिन से स्पष्ट रहा है। स्वास्थ्य के साथ-साथ इससे जुड़ी सुविधाओं में सुधार पर भी हमने ध्यान केंद्रित किया है।

हेल्थ सेक्टर के लिए सरकार का रोड मैप है-

पहला- Preventive healthcare उस पर बल दिया जाए,

दूसरा- Affordable healthcare, इसका जितना ज्यादा विस्तार हो, प्रयास किया जाए,

तीसरा- Supply Side Interventions, यानि इस सेक्टर की हर डिमांड को देखते हुए सप्लाई को सुनिश्चित करना

और चौथा- Mission Mode intervention यानि स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं को मिशन मोड पर चलाना। आप सरकार की तमाम योजनाओं को देखेंगे, तो वो इसी राह से गुजरती हैं, इसी मैप पर आगे बढ़ती हैं।

साथियों, बीमारी पर होने वाले खर्च को बचाने का सबसे आसान तरीका है कि बीमार होने से ही बचा जाए। यही Preventive Healthcare है। और इसके लिए जितना ज्यादा प्रमाण में हम लोगों को जागरूक करेंगे, जागरूकता होगी, जितना ज्यादा सामान्य मानवी इसे लेकर गंभीर होंगे, उतना ही उनमें immunity बढ़ेगी, शरीर स्वस्थ होगा।

स्वच्छ भारत- एक प्रकार से अगर Preventive Healthcare का बड़ा अभियान है तो योग भी Preventive Healthcare के लिए zero cost healthcare है।

उज्ज्वला योजना से धुएं से माताओं को मुक्ति दिलाना- ये भी Preventive Healthcare का काम है, तो दूसरी तरफ देश के हर नागरिक को फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा बना करके उसको फिट रहने के लिए प्रेरित करना, इसके साथ-साथ आयुर्वेद को बढ़ावा देना, क्योंकि आजकल Holistic Healthcare की मांग बढ़ती चली जा रही है।

हर कोई साइड इफेक्ट से बचना चाहता है और उसमें आयुष, आयुर्वेद, ये बहुत बड़ी भूमिका अदा कर सकते हैं। तो ऐसी हर पहल बीमारियों की रोकथाम में अपना अहम योगदान दे रही है। Preventive Healthcare के लिए हम जितना बल दें, उतनी Health Sector के लिए हमारी चिताएं कम होती जाती हैं। एक तरफ जहां इससे Communicable Diseases की रोकथाम में मदद मिल रही है, वहीं दूसरी तरफ जीवनशैली के कारण जो बीमारियां आती हैं उन बीमारियों को दूर करने में भी ये कारगर साबित हो रही है।

साथियों, Preventive Healthcare की ही एक कड़ी है- देश के ग्रामीण इलाकों में सवा लाख से ज्यादा वेलनेस सेंटरों का निर्माण। ये सेंटर बीमारी के शुरुआती लक्षणों को पकड़कर, शुरुआत में ही उनके इलाज में मददगार साबित होंगे। इसी तरह सरकार का विशेष जोर इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम के विस्तार पर भी रहा है। हमने नई वैक्सीन जोड़ने के साथ ही, दूर-दराज वाले इलाकों में भी टीकाकरण अभियान पहुंचाने में सफलता पाई है।

इन दिनों हम लोग, और मैंने कानपुर में इसे launch किया था, पशुओं के आरोग्य को ले करके, Food and Mouth Diseases वाला। ये भी, पशुओं का आरोग्य भी human element के लिए भी Preventive Healthcare के लिए काम आता है। अगर पशु बीमार नहीं है तो बीमारी फैलाने का वो कारण भी नहीं बनता है। यानी एक प्रकार से holistic approach को हमें आवश्यकता के अनुसार बल देते हुए आगे बढ़ाना होगा।

साथियों, हेल्थ केयर के दूसरे आयाम, यानि Affordability को बढ़ावा देने के लिए, इसके लिए भी सरकार द्वारा कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं।

आयुष्मान भारत के कारण देश के करीब 70 लाख गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज हो चुका है। ये आयुष्मान भारत योजना दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको, उसकी टोटल जो जनसंख्या है, उससे ज्यादा भारत में आयुष्मान के लाभार्थियों की सूची है। और इतने कम समय में 70 लाख लोगों ने इसका लाभ लिया है, और ये वो लोग हैं जिसमें ज्यादातर ये मानकर बैठे थे कि अब मृत्यु का ही इंतजार अच्छा होगा, जितनी जल्दी मौत आ जाए, उतना अच्छा होगा। जितने दिन तक कष्ट झेल सकते हैं, बीमारी झेल सकते हैं, झेलते रहेंगे, लेकिन बच्चों को कर्ज में डुबो करके हेल्थ के लिए कुछ करना नहीं है, ऑपरेशन करवाना नहीं है। Heart की ट्रीटमेंट नहीं करवानी है, कैंसर की ट्रीटमेंट नहीं करवानी है; सब कुछ आशा छोड़ चुके थे।

लेकिन आयुष्मान भारत योजना आने के बाद उनको एक नई जिंदगी, नया विश्वास, नया उत्साह मिल गया और एक रुपये के खर्च के बिना 70 लाख लोगों का उपचार हो गया। और मुझे खुशी है कि उत्तर प्रदेश ने इस योजना को आगे बढ़ाने में बहुत सक्रियता दिखाई है। अकेले उत्तर प्रदेश में करीब 11 लाख ऐसे लोगों ने इसका लाभ लिया है, 11 लाख लोग।

इसी तरह जन औषधि योजना- इससे सस्ती दवाइयां मिल रही हैं। यानी जो दवाई बाजार में जा करके आप लेने जाते हैं, 100 रुपया लगता है, जन औषधि केंद्र में वो 30-40 रुपये में मिल जाती है। जिनको permanent दवाइयां लेनी पड़ती हैं, उन लोगों को महीने का 800, 1000, 1200, 1500 रुपये तक बिल की बचत हो रही है। यानी ये पूरे देश में जन औषधि केंद्र बहुत popular हो रहे हैं और लोग जन औषधि केंद्र की दवाइयों को पसंद कर रहे हैं। वहीं Stents और Knee Caps की कीमतों में भी काफी कमी लाई गई है।

साथियों, जैसे-जैसे गरीब से गरीब को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो रही है, वैसे-वैसे हेल्थकेयर की डिमांड भी बढ़ रही है। डिमांड बढ़ रही है तो नए-नए अस्पतालों, नए क्लिनिक, नए नर्सिंग होम बनने का रास्ता खुला है।

पिछले 5 वर्षों में रिकॉर्ड संख्या में मेडिकल सीटें बढ़ाई गई हैं। इसी साल पूरे देश में 75 नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी देने का फैसला किया है। एक प्रकार से ये हर 3 लोकसभा सीटों के बीच एक मेडिकल कॉलेज बनाने के हमारे विजन को आगे बढ़ाने वाला एक सफल प्रयास है। और इसका बहुत बड़ा लाभ भी यूपी को मिल रहा है। बीते 2-3 वर्षों में ही यूपी में दो दर्जन से ज्यादा मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किए जा चुके हैं। जिसमें से अनेक या तो शुरू हो चुके हैं या फिर निर्माण की प्रक्रिया में हैं।

साथियों, सरकार द्वारा महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए मिशन मोड में राष्ट्रीय पोषण अभियान समेत अनेक नए कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। टीबी को भारत से वर्ष 2025 तक पूरी तरह समाप्त करने के लिए भी राष्ट्रीय अभियान चल रहा है। देश के लोगों के स्वास्थ्य को सुधारने में, बीमारी पर होने वाले उनके खर्च को कम करने में ये चार आयाम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

साथियों, जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे इस अभूतपूर्व काम का लाभ यूपी में भी देखने को मिल रहा है। इस वर्ष एन्सेफेलाइटिस इसके मामलों में योगी जी और उनकी टीम ने और यूपी की जनता ने बहुत ही सराहनीय काम किया है। और इसके लिए आप सब अभिनंदन के अधिकारी हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी, दुनिया के मान्य institutions ने भी उत्तर प्रदेश की इस सफलता को सराहा है, उसकी प्रशंसा की है।

स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं को गांव-गांव तक सुलभ कराने का जो अभियान यहां की सरकार ने चलाया है, वो यूपी के लोगों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

अब हमारा ये भी प्रयास होना चाहिए कि राष्ट्रीय पोषण मिशन और मिशन इंद्रधनुष के काम को हम और तेज़ करें, ताकि, आने वाले समय में यूपी का हर बच्चा सुरक्षित रहे, हर नागरिक स्वस्थ रहे।

साथियों, आज सुशासन दिवस पर, ऐसे समय में जब हम नए वर्ष और नए दशक में प्रवेश करने जा रहे हैं, तब हमें अटल जी की एक और बात अवश्य याद रखनी चाहिए। अटल जी कहते थे कि, हर पीढ़ी के भारत की प्रगति में योगदान का मूल्यांकन दो बातों के आधार पर होगा। और ये दोनों मानदंड हर नागरिक के लिए हैं। हम कोई भी काम करें, दोनों मानदंड हमारे सामने रख करके करें। अटलजी ने हमें जो रास्ता दिखाया है, उन दो में पहला है- हमें जो विरासत में मिली, कितनी समस्याओं को हमने सुलझाया है? ये पहला मानदंड है। विरासत में समस्याएं आई हैं, आती हैं, लेकिन हमने जो विरासत में मिली, वो कितनी समस्याओं को सुलझाया है। और दूसरा, राष्ट्र के भावी विकास के लिए हमने अपने खुद के प्रयासों से, अपने initiative से कितनी मजबूत नींव रखी है?

साथियों, इन दोनों सवालों के आलोक में, आज हम कह सकते हैं कि, 2020 के साल में भारत अभूतपूर्व उपलब्धियों के साथ प्रवेश कर रहा है। हमें विरासत में जो भी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याएं और चुनौतियां मिली, उनके समाधान की निरंतर हम कोशिश कर रहे हैं।

आर्टिकल-370, कितनी पुरानी बीमारी थी, कितनी कठिन लगती थी, हमें विरासत में मिली थी, लेकिन हमारा दायित्व था कि हम ऐसी कठिन से कठिन चुनौतियों को सुलझाने के लिए भरसक प्रयास करें और हुआ, आराम से हुआ। सबकी धारणाएं चूर-चूर हो गईं।

राम जन्मभूमि का इतना पुराना मामला, शांतिपूर्ण समाधान- भारत आजाद हुआ, विभाजन हुआ, तब से ले करके लाखों गरीब- उसमें भी ज्यादा दलित हैं, वंचित हैं, शोषित हैं। पहने कपड़े पहन करके अपना धर्म बचाने के लिए अपनी बेटियों की इज्जत बचाने के लिए जो लोग पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान से भारत की शरण लेने के लिए मजबूर हो गए, ऐसे शरणार्थियों को नागरिकता की गरिमा देने का रास्ता, ऐसी अनेक समस्याओं का हल इस देश के 130 करोड़ भारतीयों ने निकाला है।

इस आत्मविश्वास से भरा हुआ हिंदुस्तान 2020 में प्रवेश कर रहा है, एक नए दशक में कदम रख रहा है। और अभी भी जो बाकी हैं, उनके समाधान के लिए भी पूरे सामर्थ्य के साथ, हर भारतवासी प्रयास कर रहा है। चाहे हर गरीब को घर देना हो, चाहे हर घर जल पहुंचाना हो। कितनी बड़ी चुनौतियां होंगी, हम चुनौतियों को चुनौती देने के स्वभाव को ले करके निकले हैं।

साथियो, 2014 से लेकर 2019 तक के कालखंड में हमने चुनौतियों को चुनौती देने का एक भी मौका छोड़ा नहीं है। 2014 से पहले देश की आधे से अधिक आबादी के पास शौचालय नहीं था, अब शौचालय पहुंच चुका है।

करोड़ों गरीब परिवार, हमारी माताएं बहनें, रसोईघर में धुएं में जिंदगी गुजारती थीं, अब अब हर घर तक गैस पहुंच रही है।

हज़ारों गांव, हज़ारों परिवार अंधेरे में जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर थे, अब उनके घर में बिजली पहुंच रही है।

आधे से ज्यादा आबादी बैंक से दूर थी, उसके लिए बैंकों के दरवाजे खोले हैं।

करोड़ों गरीब परिवार के पास अपना घर नहीं था, करीब 2 करोड़ गरीब परिवारों के घर बन चुके हैं। 2022 तक हर गरीब, जो बेघर है, उसको अपना पक्का घर देने के लिए काम तेजी से चल रहा है।

गांव-गांव तक सड़क पहुंचाने का काम, रेलवे कनेक्टिविटी पहुंचाने का काम तेज़ी से चल रहा है। और साल 2024 तक हर घर जल पहुंचाने के संकल्प को सिद्ध करने के लिए भी हम पूरी तत्परता के साथ जुट चुके हैं।

यही समाधान, New India की प्रगति के लिए ठोस नींव तैयार कर रहे हैं।

इसी ठोस नींव पर हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के संकल्प को सिद्ध करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाते हुए देश को साथ ले करके आगे बढ़ रहे हैं, ताकि करोड़ों भारतवासियों का जीवन स्तर ऊपर उठे, गरीब से गरीब को भी गरिमा और सम्मान मिले।

साथियों, यही तो सुशासन है, यही तो स्वराज है, जिसकी कल्पना अटल बिहारी वाजपयी जी और महामना मालवीय जी सहित तमाम राष्ट्रनिर्माताओं ने की थी।

हमारी सरकार के लिए सुशासन का अर्थ है-

सुनवाई, सबकी हो।

सुविधा, हर नागरिक तक पहुंचे।

सुअवसर, हर भारतीय को मिले।

सुरक्षा, हर देशवासी अनुभव करे।

और सुलभता, सरकार के हर तंत्र को सुनिश्चित करनी है।

हमारे लिए सुशासन का एक ही मंत्र है, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास।

इसी भाव और स्वभाव के साथ हम सब जुटे हुए हैं।

साथियों, हमारा ये निरंतर प्रयास रहा है कि सरकार से सत्ता-सुख को निकालकर सेवा के संस्कार गढ़े जाएं। ये तभी संभव है जब सामान्य मानवी के जीवन में सरकार का दखल जितना कम हो, कम करने का प्रयास करना चाहिए।

हमारा प्रयास है कि सरकार, अटकाने के बजाय, उलझाने के बजाय, सुलझाने का माध्यम बने। आप अगर इस सरकार का मूल्यांकन करेंगे, तो यही कोशिश हर कदम पर आप महसूस करेंगे।

अब देश दस्तावेजों के अटेस्टेशन के, सत्यापन के दौर से बाहर निकल रहा है। आपने खुद से प्रमाणित कर दिया, खुद जिम्मेदारी ले ली, यही सरकार के लिए काफी है।

आज अधिकतर सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया गया है, डिजिटलीकरण कर दिया गया है। जन्म प्रमाण पत्र से लेकर पेंशन के लिए जरूरी जीवन प्रमाण पत्र तक, ज्यादातर सेवाएं ऑनलाइन हैं। पहले जहां कागजों, दस्तावेजों और सरकारी दफ्तरों के फेर में ही एक सामान्य व्यक्ति फंसा रहता था, अब जीवन बहुत आसान हो रहा है।

साथियों, हम सुशासन के उस दौर की तरफ बढ़ रहे हैं, जहां जनता को आवेदन की जरूरत न हो बल्कि, बल्कि सरकार उनके घर जाकर निवेदन करे कि, कहीं कुछ समस्या तो नहीं है। आप देखेंगे कि जनहित की जितनी भी योजनाएं आज चल रही हैं, उनमें लाभार्थियों के चयन से लेकर, उन तक लाभ को पहुंचाने के लिए तकनीक का, डेटा साइंस का भरपूर उपयोग हो रहा है।

बेनिफिट डायरेक्ट हो और डिलिवरी क्लिक हो, टारगेटेड हो, ये हमने सरकार की कार्यसंस्कृति में लाने का प्रयास किया है। इसी से पारदर्शिता भी आ रही है, जनता की सेवा भी तेज़ी से हो रही है और देश के ईमानदार करदाताओं का पैसा भी बच रहा है।

साथियों, आज अटल सिद्धि की इस धरती से मैं यूपी के युवा साथियों को, यहां के हर नागरिक को एक और आग्रह करने आया हूं।

आजादी के बाद हमने बराबर देखा है, आजादी के बाद के वर्षों में हमने सबसे ज्यादा जोर अधिकारों पर दिया है, लेकिन अब जब हम आजादी के 75 साल की ओर बढ़ रहे हैं, आजादी के दीवानों के सपनों को आज अगर हम तोलते हैं तो समय की मांग है कि अब तक भले हमने अधिकारों पर बल दिया हो, लेकिन अब वक्त की मांग है कि

हमें अपने कर्तव्यों, अपने दायित्वों पर भी उतना ही बल देना है।

ये बात मैं इसलिए कह रहा हूँ, क्योंकि यूपी में जिस तरह कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन के नाम पर हिंसा की, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, वो अपने घर में बैठ करके एक बार खुद से सवाल पूछें कि क्या उनका ये रास्ता सही था? उनकी प्रवृत्ति योग्य थी? ये जो कुछ जलाया गया, बर्बाद किया गया, क्या वो उनके बच्चों को काम आने वाला नहीं था?

इस प्रदर्शन में, हिंसा में जिन लोगों की मृत्यु हुई, जो सामान्य नागरिक जखमी हुए, जो पुलिसवाले जखमी हुए, उनके और उनके परिवारवालों के प्रति, पल भर हम सोचें क्या बीतती होगी? और इसलिए मैं आग्रह करूंगा कि झूठी अफवाहों में आकर हिंसा करने वालों को, सरकारी संपत्ति तोड़ने वालों को मैं बहुत आग्रह से कहना चाहूंगा कि बेहतर सड़क, बेहतर ट्रांसपोर्ट सिस्टम, उत्तम सीवर लाइन, नागरिकों का हक है, तो इसको सुरक्षित रखना, साफ सुथरा रखना भी तो नागरिकों का दायित्व है।

हक और दायित्व को हमें साथ-साथ और हमेशा याद रखना है।

उत्तम शिक्षा, सुलभ शिक्षा हमारा हक है, लेकिन शिक्षा के संस्थानों की सुरक्षा, शिक्षकों का सम्मान, ये हमारा दायित्व भी है।

चिकित्सा सुविधा हमारा हक है, लेकिन डॉक्टरों का सहयोग और सम्मान करना हमारा दायित्व भी है।

सुरक्षित माहौल मिलना हमारा हक है, लेकिन सुरक्षा के लिए जिम्मेदार पुलिस तंत्र के काम को सम्मान देना, ये हर नागरिक का दायित्व है।

हक की एक मर्यादा है, उसका एक दायरा है, सीमा है। लेकिन दायित्व की, कर्तव्य की, भावना बहुत ही व्यापक है।

साथियों, ये भावना नागरिकों के साथ-साथ सरकार के लिए, सरकार के हर तंत्र के लिए भी उतनी ही जरूरी है।

सरकार का दायित्व ये है कि वो 5 साल के लिए नहीं, बल्कि 5 पीढ़ियों को ध्यान में रखते हुए अपना काम करने की आदत बनाए। मुझे संतोष है कि यूपी सरकार अपने इस दायित्व को निभाने का भरपूर प्रयास कर रही है।

हम अपना दायित्व निभाएं, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें, यही सुशासन और यही आज का दिवस, अटलजी को स्मरण करते हुए, हम लोगों का संकल्प होना चाहिए, यही जनता की अपेक्षा है, यही अटल बिहारी वाजपेयी की हम सबको शिक्षा है।

एक बार फिर उत्तर प्रदेश के लोगों को अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी के लिए बहुत-बहुत बधाई के साथ आप सबको भी अनेक-अनेक शुभकामनाओं के साथ कुछ दिनों के बाद नया वर्ष प्रारंभ होगा। इस नए वर्ष के भी, जब बहुत दूर नहीं है, सप्ताह भर है, आप सभी को, उत्तर प्रदेश के लोगों को, वर्ष 2020 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

बहुत-बहुत धन्यवाद

PM Modi's speech at laying of foundation stone of Atal Bihari Vajpayee Medical U



VRRK/VJ/NS/MS

(रिलीज़ आईडी: 1597644) आगंतुक पटल : 471

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Bengali , Gujarati